# माली सैनी सन्देश

निष्पक्ष, निडर, नीतियुक्त पत्रकारिता

वर्ष : 8 अंक : 86 12 अगस्त, 2012 मूल्य : 150/- वार्षिक

15 अगस्त

66वें स्वतंत्रता दिवस की
समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

# राज्य के प्रथम स्वजाति विद्यालय के 124वें स्थापना दिवस पर सभी विद्यार्थियों, पदाधिकारियों और विद्यालय स्टाफ को हार्दिक बधाई एवं मंगलकामनाएं

NO.RAJHIN12897/20/1/2004-TC

# माली सैनी सन्देश

वर्ष : 8 • अंक : 86 • 12 अगस्त, 2012 • मूल्य : 150/- वार्षिक


## सम्पादक मण्डल

**संरक्षक :**

**श्रीमान रमेशचंद्र कच्छवाहा**
( अध्यक्ष, जोधपुर ठेकेदार ऐसोसियेशन )
( अध्यक्ष, माली सैनी समाज सेवा समिति )

**सह संरक्षक:**

**श्री ब्रह्मसिंह चौहान**
( पूर्व पार्षद )

**प्रेस फोटोग्राफर**

**जगदीश देवड़ा**
(रितू स्टूडियों मो. 94149 14846)

**मार्केटिंग इंचार्ज**

**रामेश्वर गहलोत**
(मो. 94146 02415)

**कम्प्यूटर**

**इरशाद ग्राफिक्स, जोधपुर**
(मो. 7737651040)

पत्रिका में प्रकाशित विचार लेखकों के स्वयं के विचार है। किसी भी विचार के साथ सम्पादकीय सहमति का होना आवश्यक नहीं है। सभी प्रसंगों का न्यायिक क्षेत्र जोधपुर ही होगा।


## इस अंक में

आवरण कथा

मुख्यमंत्री पशुधन नि:शुल्क दवा योजना का शुभारम्भ

### पशुपालन हमारी अर्थव्यवस्था का सशक्त आधार – श्री अशोक गहलोत

- राजस्थान के प्रथम स्वजाति विद्यालय का 124वां स्थापना दिवस
- भामाशाह सम्मान समारोह धूमधाम से संपन्न
- माली समाज की हत्या के विरोध में भीनमाल में ऐतिहासिक बंद
- माली ( सैनी ) समाज संस्थान ( रजि. ) मंगलपुरा का गठन
- माली समाज के मंदिर का जीर्णोद्धार
- सैनी नवयुवक संस्था की ओर से ठाकुरजी की रथ विहार
- यात्रा शाही लवाजमे व गाजे बाजे के साथ निकाली
- जितेन्द्र विशनोलिया ( सैनी ) ने समाज का नाम रोशन किया
- खुशबू सैनी को दोहरा प्रथम पुरस्कार
- कृष्णजन्माष्टमी पर्व धूमधाम से मनाया
- माली समाज के वरिष्ठ नागरिकों का होगा सम्मान
- माली समाज परम्परा व सम्भावनाएं
- सोलंकी के सेवानिवृति पर अभिनंदर समारोह आयोजित
- सुन्दरलाल सैनी, रेल्वे उपभोक्ता
- सलाहकार समिति, के सदस्य मनोनित
- सुनवाई का अधिकार अधिनियम, 2012
- जेएनवीयू चुनावों में मोहित सांखला महासचिव चुने गए
- पदाधिकारियों का राष्ट्रव्यापी शिक्षादान अभियान
- युवा क्रांति से होगा सामाजिक कुरूतियों का दमन
- पिछडा एवं माली समाज के कर्मयोगी : श्रीरामजी महाजन
- मुख्यमंत्री को रक्षाबंधन पर 21 फीट की आकर्षक राखी भेंट
- भावी पीढ़ी हमारे 'हमारे सोशियल मैनेजमेंट' के लिए मानेगी हमें फिसड्डी ?

# सम्पादक की कलम से ...

# समाज को चाहिए पवित्र चिन्तन और उज्जवल चरित्र...

**मनीष गहलोत**
**प्रधान सम्पादक**

**प्राय:** जैसा हम सोचते हैं, वैसी ही आभा हमारे चेहरे पर छा जाती है। आदमी के विचारों से उसके गुण-अवगुणों का पता लग जाता है। दरअसल हमारा चिन्तन-मनन जितना पवित्र होगा, उतना ही हमें मानसिक सुख और शान्ति प्राप्त होगी। कहने का तात्पर्य यह है कि विचारों के अनुरूप ही चरित्र का निर्माण होता है। भड़कीली पोशाक, सुन्दर महंगे कपड़े एवं आभूषणों से तथा बढ़ चढ़कर बातें करने से समाज को प्रभावित नहीं किया जा सकता, क्योंकि जो शक्ति पवित्र विचारों एवं उज्जवल चरित्र में होती है, वैसी शक्ति दिखावे में नहीं होती है।

मनसा, वाचा और कर्मणा की पवित्रता भविष्य को उज्जवल बनाती है। कुविचार तथा दूसरों के प्रति बूरे भाव रखने का अर्थ है हमारे चरित्र का पतन की ओर ले जाना। जितने भी महान् व्यक्ति हुए है वे पवित्र चिन्तन और उज्ज्वल चरित्र के कारण ही हुए है। कहा गया है कि ''चरित्र अच्छी आदतों का समूह है।'' अत: माली सैनी समाज की एकता, समरसता और मजबूत संगठन के लिए उच्चकोटि के विचारक, नि:स्वार्थी और उज्ज्वल चरित्रवान व्यक्तियों की आवश्यकता है।

ऐश्वर्य और समृद्धि पाने की इच्छा सभी व्यक्तियों में होती है, किन्तु उसे भी शुद्ध भावना और ईमानदारी के माध्यम से प्राप्त की जाए तो जीवन माहनता की ओर अग्रसर होता है। दृढ़ एवं पवित्र चरित्रवान पुरूषों के लिए संसार स्वंय मार्ग बना देता है। केवल आदर्श की बातों से समाज सुधार नहीं हो सकता। कथनी और करनी में समानता आवश्यक है। जिस प्रकार अच्छे खाद बीज और उचित सिंचाई से अच्छी फसल ली जा कती है, उसी तरह उत्तम विचार और उत्तम चरित्र से सभ्य समाज का निर्माण किया जा सकता है। माली सैनी समाज के महानुभावों को भी सदैव रचनात्मक कार्य शैली अपनाना चाहिए।

आज जमाना इतना एडवांस हो गया है। अब रंगे - सियार वाली नीति से समाज को भ्रमित नहीं किया जा सकता है। कई लोग अपने चहेतों को आगे करके अपना उल्लू सीधा करते है, लेकिन कागज के फूलों से सुगंध नहीं आ सकती है। आजकल समाज के सम्मेलनों में समाज सुधारक, समाजसेवी, साहित्यकार एवं सच्चे कार्यकर्ता का सम्मान नहीं देकर 'अंध बांटे रेवड़ी फिर-फिर अपने को देय' वाली कहावत लागू हो रही है। समाज के धन पर कतिपय लोग आनन्द उठाने लगे है।

जिन बातों एवं कार्यो का समाज की प्रगति से कोई लेना - देना नहीं होता, उनसे दूर रहकर सामाजिकता पर ध्यान लगाना चाहिए। मानवता के उत्कर्ष के प्रति दृढ़ आस्था ही चरित्र निर्माण का मुख्य आधार है। सामाजिक कार्य में सदैव अपने हित की ही बात नहीं सोचनी चाहिए, क्योंकि खुदगरजी मानवीय सम्बन्धों में बाधा उपस्थित करती है। हमारा चिन्तन एक - दूसरे को आगे बढ़ाने वाला हो। हल्की फुल्की बातों के हम गड़े-मुर्दे उखाड़ कर समाज में फुट डालने का प्रयास कदापि न करें। सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाकर बुराइयों में भी अच्छाइयां ढूंढ़ना चाहिए। अर्थात सत्य चिंतन और उज्ज्वल चरित्र द्वारा समाज को सही दिशा में आगे बढ़ाना चाहिए।

### मुख्यमंत्री पशुधन नि:शुल्क दवा योजना का शुभारम्भ

# पशुपालन हमारी अर्थव्यवस्था का सशक्त आधार – श्री अशोक गहलोत

जयपुर, 13 अगस्त। मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने सोमवार को यहां पशुपालन विभाग के परिसर में बड़ी संख्या में मौजूद किसानों एवं पशुपालकों के बीच ''मुख्यमंत्री पशुधन नि:शुल्क दवा योजना'' का शुभारम्भ करते हुए घोषणा की कि यह योजना 15 अगस्त स्वाधीनता दिवस पर पूरे प्रदेश में लागू हो गई है।

श्री अशोक गहलोत ने कहा कि पशुपालन हमारी अर्थव्यवस्था का सशक्त आधार है तथा प्रदेश के सकल घरेलू उत्पाद में पशुपालन व्यवसाय का योगदान 8 प्रतिशत है। श्री अशोक गहलोत ने कहा कि सभी पशुओं को सरकारी चिकित्सालयों में मुफ्त दवा मिलने पर पशुपालकों को राहत मिलेगी। श्री अशोक गहलोत ने कहा कि पशुओं की दवा महंगी होती है। इस योजना के तहत सर्वाधिक उपयोग में आने वाली 87 प्रकार की जैनरिक दवाइयां एवं 13 सर्जिकल कन्ज्यूमेबल्स नि:शुल्क दवाइयां पशुओं को उपलब्ध कराई जायेगी।

श्री अशोक गहलोत ने कहा कि हमारे राज्य के उन्नत नस्ल के पशुधन की देश भर में पहचान है और 11 प्रतिशत पशुधन हमारे यहां हैं। देश का 13 प्रतिशत दूध तथा 30 प्रतिशत ऊन का उत्पादन राजस्थान में होता है। राज्य की पशुधन विकास नीति हमने बनाई है जिसका उद्देश्य प्रतिवर्ष 6 प्रतिशत की दर से पशुधन उत्पादन में बढ़ोतरी करना है।

श्री अशोक गहलोत ने कहा कि राजस्थान में अकाल एवं सूखे पड़ते रहते हैं। इस बार भी अकाल की चिंता सता रही थी। राजस्थान में पिछले 10 दिनों से वर्षा हो रही है और 22 जिलों में अच्छी वर्षा होने की जानकारी मिली है जिससे वहां बांधों में पानी आ गया है। कई जगह फसलें बढ़ी है। इस बार भी जहां भी मानसून की कमी रहेगी वहां अकाल के काम खोले जायेंगे। पशु शिविर लगाये जायेंगे, चारे और पानी का प्रबंध करने में सरकार कोई कोर कसर नहीं छोड़ेगी।

मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने कहा कि हमारी सरकार किसानों की सदैव हितैषी रही है। किसानों को उनकी लागत का मूल्य मिले और उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हो तथा उन्हें अच्छे बीज, दवाइयां और यूरिया उपलब्ध हो। उन्होंने कहा कि 5 साल तक किसानों की बढ़ी बिजली दरों का भार उन पर नहीं पड़े, इसका वादा हम निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि समय पर ऋण चुकाने वाले किसानों का ब्याज माफ करने का निर्णय लिया है।

मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने पशुपालन विभाग के अधिकारियों से कहा कि ''मुख्यमंत्री पशुधन नि:शुल्क दवा योजना'' गांव-गांव तक पहुंचायें और दवा की माकूल व्यवस्था करें। श्री अशोक गहलोत ने कहा कि सरकार इस योजना के लिए धन में कोई कमी नहीं आने देगी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कृषि मंत्री श्री हरजीराम बुरडक ने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार ने किसानों एवं पशुपालकों की पीड़ा समझी है। उन्होंने कहा कि मूक पशु अपनी पीड़ा का इजहार नहीं कर सकता ऐसे में मूक प्राणियों के लिए नि:शुल्क दवा योजना पशुपालकों के वास्ते वरदान साबित होगी। श्री बुरडक ने कहा कि राज्य में पहली बार पंचायत समिति, जिला एवं राज्य स्तर पर दो-दो प्रगतिशील किसानों को पुरस्कृत करने का कार्यक्रम शुरू किया गया जिससे किसानों का उत्साहवर्धन हुआ है। इसके अलावा राज्य सरकार ने समय पर ऋण चुकाने वाले किसानों को ब्याज माफी की योजना भी शुरू की है जिसका फायदा भी किसानों को मिल रहा है।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि कृषि राज्य मंत्री श्री विनोद कुमार लीलावली ने कहा कि आज कृषि भूमि का बंटवारा होने से फसल उत्पादन कम होता जा रहा है तो ऐसे में पशुपालन को बढ़ावा देना जरूरी है। उन्होंने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार ने किसान हित की दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाये हैं, ऐसे में किसानों एवं पशुपालकों को इन सरकारी योजनाओं का आगे बढ़कर लाभ उठाना चाहिए। राज्य पशुधन विकास बोर्ड के अध्यक्ष श्री बृजेन्द्र सिंह सूपा ने कहा कि राज्य पशुधन विकास बोर्ड भी उन्नत नस्ल के पशुओं को बढ़ावा देने एवं पशुपालकों की हालत सुधारने की दिशा में प्रयासरत है। इस अवसर पर श्री अशोक गहलोत ने मुख्यमंत्री पशुधन नि:शुल्क दवा योजना के पोस्टर, मार्गदर्शिका एवं फोल्डर का विमोचन किया। सोलह पृष्ठों की मार्गदर्शिका में योजना से जुड़े पहलुओं की जानकारी के साथ ही अनुमोदित दवाओं की भी सूची दी गई है। श्री अशोक गहलोत ने पशुधन भवन परिसर में पौधारोपण किया तथा पशुपालन विभाग द्वारा आयोजित प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि इस योजना का उद्देश्य करीब 3 करोड़ पशुओं के लिए नि:शुल्क दवाइयां उपलब्ध करवाना है। अंत में पशुपालन विभाग के निदेशक श्री राजेश मान ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

**जनजागरण का प्रतीक सुमेर शिक्षण संस्थान, जोधपुर ( स्थापना 29 अगस्त, 1898)**

# राजस्थान के प्रथम स्वजाति विद्यालय का 124वां स्थापना दिवस

विद्यालय परिसर

सन् 1853 की जून से सितम्बर तक स्वामी दयानंद का जोधपुर में धर्म प्रचार के साथ सामाजिक सुधार के भाषणों को जोधपुर निवासियों पर काफी प्रभाव पड़ा। हमारी जाति के जोधपुर नगर की तीनों बस्तियों नागौरी, जालोरी और जोधपुरी नामक तीनों समूहों व सातों खेड़ो - मण्डोर, चैनपुरा, गंवा, बागां, चौखा, गोलासनी, पूंजला, बासनी व दईजर के लोगों ने उनके सत्संग का पूरा लाभा उठाया और समाज में शिक्षा के प्रचार व प्रसार में लग गये। शिक्षा प्रचार व समाज सुधार हेतु जोधपुर क्षत्रिय माली मित्रमण्डल का गठन हुआ।

वि. स. 1954 की वैसाख माह में समाज के लोगों को एक सम्मेलन में यह निर्णय लिया गया कि न्याति के बच्चों की शिक्षा के लिये एक पाठशाला खोली जावे और तब कई लोगों ने चंदा दिया और आठ हजार रूपये तक की ओलियां लिखी गई। मुख्य दानदाता देने वाले में ठेकेदार श्री साहिबरामजी गहलोत, ठेकेदार श्री पोकरजी बनजी कच्छवाहा, ठेकेदार मघजी धुलजी कच्छवाहा व दारोगा फरासखाना पुरखाजी पृथ्वीराज सांखला थे। अन्य चंदा देने वालों में मुख्य श्री रहींगजी टाक, श्री रतना जी सांखला, श्री जगाजी चौधरी, श्री सूरजमलजी कच्छवाहा, श्री दयाराम जी गहलोत, श्री सेवाजी सोलंकी, श्री लच्छीरामजी गहलोत, श्री छोगजी परिहार आदि थे। उसी वर्ष महामंदिर के बाहर, नागौरी गेट के रास्ते पर दांई आर विद्यालय के लिए भूमि खरीदी गई और वहां तीन कमरों का स्कूल भवन 1898 में तैयार हो गया।

इतिहासकार स्वर्गीय श्री जगदीश सिंह गहलोत द्वारा लिखित इतिहास के अनुसार ''तीनों बस्ती व सातों खेड़ों में हैण्डबिल छपवाकर वितरित किया गया ताकि ज्यादा से ज्यादा जातिबंधु उपस्थित होवे। इस स्कूल भवन का उद्घाटन 29 अगस्त, 1898 को महाराज कुमार सुमेरसिंह द्वारा स्कूल भवन के ताले के हाथ लगाकर किया गया। तब महाराज कुमार केवल 8 माह के बच्चे थे। उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता आर्यसमाज के स्वामी भास्करानंद सरस्वती ने की। सरकार की ओर से 1500 रूपये का अनुदान दिया गया जिसके कारण स्कूल का नाम सुमेर स्कूल रखा गया। उपस्थित महानुभावों में महाराज जालमसिंह, महाराज दौलतसिंह के अलावा कई सरदार व मुत्सद्दी थे। श्री फाउलाल श्रीमाली ब्राह्मण और नायब फौजदार पंचोली चतुर्भुज के भाषण भी हुए।''

ठेकेदार पोकरजी बनजी कच्छवाहा स्कूल के मुख्य संस्थापक थे। ठेकेदार श्री साहिबराबजी गहलोत ने स्कूल के पहले खण्ड का निर्माण कराया। उन्होंने वि.स. 1955 (ई. सन् 1898) में 2000 रूपये स्कूल कमेटी को दिये जिसमें से 1000 रूपये स्कूल भवन के चंदे में चन्दा देते रहे और उनके स्वर्गवास (1922) के पश्चात उनके सुपुत्र श्री भोमारामजी व श्री शिवरामसिंहजी देते रहे। दो अन्य-महानुभाव जिन्होंने एक-एक हजार रूपये स्कूल के निर्माण हेतु दिये थे वे श्री मघजी धुलजी कच्छवाहा व श्री पुरखाजी, श्री पृथ्वीराजी सांखला थे। श्री पुरखाजी के एक हजार रूपये से स्कूल के अहाते में कुंआ खुदवाया गया।

स्कूल के प्रारंभ होने के समय केवल 50 छात्र थे। सन् 1913 में यहां आठवीं कक्षा तक की पढ़ाई होने लगी और स्कूल को 1917 में राजपूताना इंगलिश मिडल परीक्षा बोर्ड अजमेर से सम्बद्ध कर दिया गया। सन् 1913 में दो और कमरे अने। उदयपुर के धाभाई श्री अमरसिंह ने 1915 से स्कूल के मिडल कक्षा तक हो जाने पर एक कमरा 1200 रूपये देकर बनवाया। सन् 1918 में 5 कमरे और बनाये गये थे। सन् 1918 में स्कूल में छात्रों की संख्या 250 हो गई। सन् 1919 में स्कूल भवन की दूसरी मंजिल बन गई। इसके बाद ज्यों ज्यों छात्रों

की संख्या बढ़ती रही।

स्कूल के मैनेजर के रूप में सन् 1898 से 1915 तक पुरखाजी सांखला व 1916 से 1933 तक नेनुराम जी सांखला रहे। सन् 1934 से 1943 तक मंगलसिंह जी कच्छवाहा मैनेजर रहे। उनके समय में (सन् 1936 में) 8000 रूपये के परिसर में छात्रावास भवन बना जिसमें से 3000 रूपये की सहायता सरकार से मिली। यह छात्रावास 1936 में स्कूल के कमरों की कमी के कारण स्कूल भवन में सम्मलित कर लिया गया। मार्च 1944 में डॉ. ओमदत्त भाटी ने स्कूल के व्यवस्थापक का काम संभाला और तब स्कूल का स्वर्ण युग आया। उनकी मिलनसारी से स्कूल का फण्ड 1,03,00 रूपये हो गया और स्कूल में सन् 1944-45 में साइन्स लेबोरेटरी बनी तथा 7,000 रूपये की विज्ञान सामग्री खरीदी गई। सन् 1945 में यह हाई स्कूल बन गया। तब सरकार से वार्षिक अनुदान के 16, 185 रूपये मिलने लगे। अक्टूबर 1947 में डॉ. ओमदत्त जी भाटी इंगलैण्ड चले गये तब स्कूल का संचालन रामनारायण जी सांखला ने अप्रेल 1953 तक किया। सन् 1904 ई. में ''प्राइमरी स्कूल'', सन् 1913 ''मिडिल स्कूल'', सन् 1945 में '' हाई स्कूल'', सन् 1963 में ''हायर सैकण्डरी'' तथा सन् 1988 में ''सीनियर हायर सैकण्डरी स्कूल'' के रूप में क्रमोन्नत हुआ।

वर्तमान में संस्थान द्वारा श्री सुमेर उच्च माध्यमिक विद्यालय, श्री सुमेर बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, श्री सुमरे लिटिल रोजेज स्कूल, श्री सुमेर शिशु निकेतन तथा हाल ही में सुमेर महिला महाविद्यालय संचालित किये जा रहे है। यह विद्यालय अब एक वट वृक्ष की भांति पल्लवित, पुष्पित एवं फलित हो रहा है जिसके विस्तृत वितान के तले आज 3350 छात्र-छात्राएं बिना किसी जातीय एवं धार्मिक भेदभाव के अपने जीवन का सर्वांगीण विकास करते हुए जिला, राज्य एवं केन्द्रीय स्तर पर विद्यालय का नाम रोशन कर रहे है, वहीं यहां के पूर्व छात्र राज्य एवं केन्द्रीय सरकार में मंत्री व प्रशासनिक व पुलिस एवं सेनिक सेवाओं में उच्च पदों पर आसीन राष्ट्रीय उन्नति में अपना योगदान दे रहे है।

इस विद्यालय के अध्यक्ष, सचिव व व्यवस्थापक 1889 से अब तक इस प्रकार रहे हैं-

**अध्यक्ष** - श्री प्रतापसिंह कच्छवाहा(1898 -1958), डॉ. ओमदत्त भाटी (1958 - 1962), श्री शिवरामजी गहलोत (1962- 1966), श्री मांगीलाल गहलोत (1967 - 1971), श्री संतोषसिंह गहलोत (1972 - 1974), श्री कनीराम टाक (1974 - 1982) श्री काशीराम गहलोत ( 1983 - 1985), श्री गोपीकिशन पंवार (1986 - 1988), श्री प्रेमसिंह परिहार (1989 - 1991), श्री गोपीकिशन पंवार ( 1992 - 1997) श्री मानसिंह देवड़ा (1998 - 2009), श्री बाबूलाल पंवार (2010 से अब तक लगातार)

**सचिव** - श्री बालकिशन परिहार (1898- 1942), श्री हीरालाल गहलोत ( 1942-1948), श्री आनंदसिंह कच्छवाहा( 1953-1956), श्री मंगलसिंह गहलोत ( 1956 - 1966), श्री हंसराज परिहार ( 1967 - 1978), श्री श्यामसिंह टाक ( 1979 - 1982), श्री सुखवीर सिंह गहलोत ( 1983 - 1985), श्री औंकारसिंह टाक (1986 - 1991), डॉ. छैलसिंह गहलोत ( 1992 - 1994), श्री हजारी सिंह टाक (1995 - 1997), श्री शिवसिंह परिहार( 1998 - 2000), श्री घनश्याम पंवार (2001 - 2006), श्री नरेन्द्र कच्छवाहा ( 2007 - 2009), श्री लतेश भाटी ( 2010 से अब तक लगातार)

**व्यवस्थापक** - श्री पुरखाराम सांखला ( 1998 - 1915), श्री नेनूराम सांखला (1915 - 1934), श्री मंगलसिंह कच्छवाहा( 1934 - 1943), डॉ. ओमदत्त भाटी (1944 - 1947), श्री रामनारायण सांखला ( 1947 - 1953), श्री आनंदसिंह कच्छवाहा( 1953 - 1962), डॉ. ओमदत्त भाटी ( 1962- 1966), श्री बलवीरसिंह कच्छवाहा (1967 - 1971), श्री श्रीकिशन टाक( 1972- 1974), श्री ब्रह्मसिंह परिहार(1974- 1982), श्री देवीसिंह कच्छवाहा ( 1983 - 1985), श्री किशोर सिंह कच्छवाहा ( 1986 - 1988), श्री देवीसिंह कच्छवाहा ( 1989 - 1991), श्री शिवसिंह परिहार ( 1992 - 1994), श्री गुलाबसिंह कच्छवाहा ( 1995 - 1997), डॉ. छैलसिंह गहलोत ( 1998 - 2000), डॉ. चिमन सिंह परिहार (2001 - 2003), श्री नरेन्द्र सिंह कच्छवाहा ( 2004 - 2006), श्री किशोर सिंह परिहार ( 2007 से अब तक लगातार)

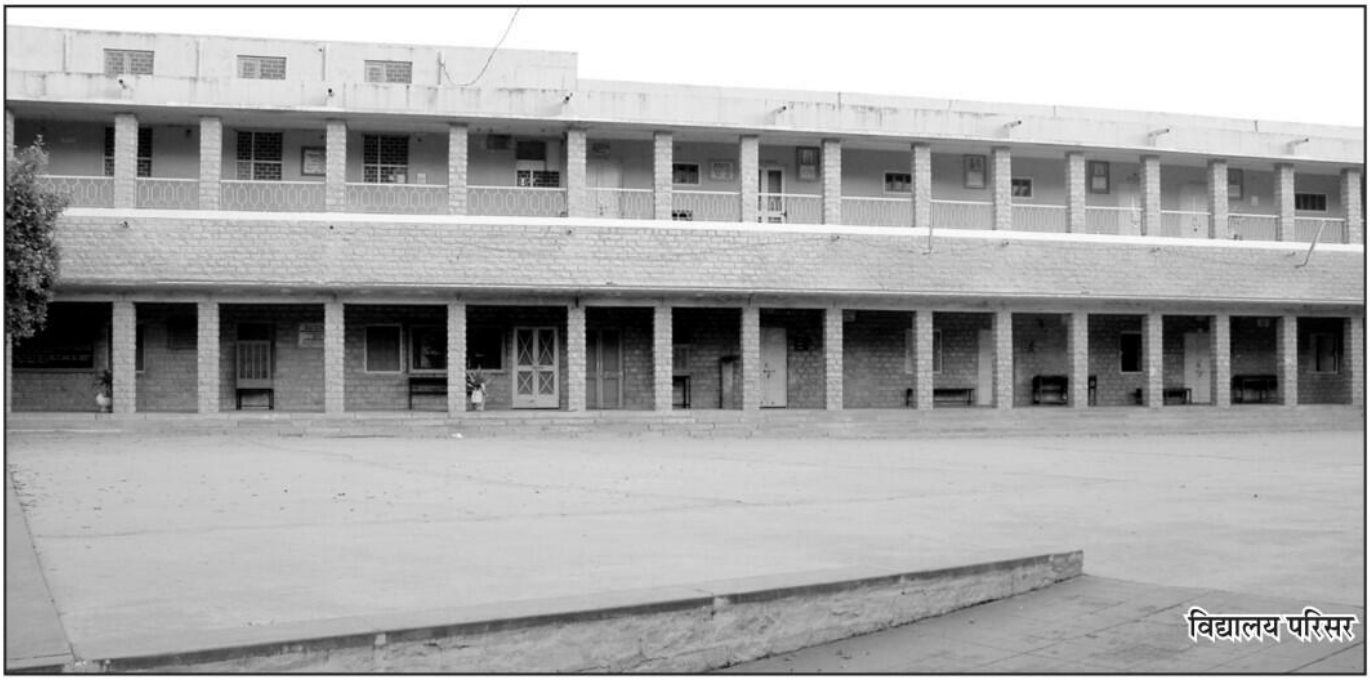

विद्यालय परिसर

## भारतीय शिक्षण सेवा संस्थान, जयपुर द्वारा आयोजित

# भामाशाह सम्मान समारोह धूमधाम से संपन्न

5 अगस्त, 12 जयपुर। भारतीय शिक्षण संस्थान द्वारा आयोजित भामाशाह सम्मान समारोह धूमधाम से संपन्न हुआ। संस्थान के अध्यक्ष पूर्व विधाक श्री माधोसिंह कच्छवाहा ने बताया कि समारोह के मुख्य अतिथ संत लिखमीदास जी महाराज ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री राजेन्द्र गहलोत(पूर्व मंत्री), समारोह अध्यक्ष श्री गोपाल गहलोत, श्री सत्यनारायण सिंह सैनी अध्यक्ष डांग क्षेत्र विकास बोर्ड, श्री ओ. पी. सैनी प्रमुख शासन सचिव, श्री मांगीलाल पंवार अध्यक्ष, महात्मा फूले मंच, श्री मोतीलाल सांखला राष्ट्रीय अध्यक्ष, महात्मा ज्योति बा फूले जागृति मंच, श्री सुभाष सैनी डायरेक्टर गुरूप्रज्ञा प्रा.लि. जयपुर, श्री मोहनलाल चुड़ीवाल मुंबई, श्री श्रीकृष्ण सैनी पूर्व चैयरमेन, विद्युत इकाई, नगर निगम, जयपुर, श्रीमती दिप्ती कच्छवाहा आर. ए. एस., श्रीमती मंजू सैनी अध्यक्ष महिला मोर्चा, जयपुर थे।

संस्थान के प्रदेश मंत्री श्री प्रकाश चंद सैनी ने बताया कि इस अवसर पर संस्थान के इस भवन निर्माण में 50,000 रूपये से अधिक की रीशि देने वाले 50 दानदाताओं का सम्मान किया गया। उन्होंने बताया कि इससे पूर्व संस्थान की साधारण सभा की बैठक अध्यक्ष श्री माधोसिंह कच्छवाहा की अध्यक्षता में हुई। जिसमें 10 जून, 2012 को हुई कार्यसमिति की बैठक में संस्थान के विधान में अनुमोदित किये गये संशोधनों को साधारण सभा के अनुमोदनार्थ प्रस्तुत किया।

श्री माधोसिंह कच्छवाहा ने अपने उद्‌बोद्धन में कहा कि आज की परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए आवश्यकता के अनुरूप संस्थान के विधान/नियमों में विस्तार से कार्य समिति की बैठक की सूचना के साथ उन सभी संशोधनों को साधारण सभा में सभी की सहमति से अनुमोदित किया गया। उन्होंने बताया कि छात्राओं के अग्रेर अध्ययन के लिए छात्रावास का भवन आप सभी के सहयोग से बनकर तैयार हो गया ह। सावित्री बाई फूले भवन में अब केवल फिनिशिंग क कार्य शेष है। जब छात्रावास का कार्य प्रारम्भ किया गया तो स्थानिय निवासियों ने न्यायालय में वाद दायर कर निर्माण रोकने का प्रयास किया। लेकिन न्यायालय ने संस्था के पक्ष में निर्णय दे कर हमारे मार्ग में आने वाली बाधाएं दूर कर दी। इसके पश्चात इंजिनियर श्री सीताराम सैनी द्वारा प्रस्तुत तकमीने के अनुसार भवन का निर्माण भूतल व दो मंजिल का निर्माण हो गया है। इसमें प्रमुख रूप से संस्थान के श्री मनफूल सिंह सैनी ने अपनी पूर्ण निष्ठा व लगन से रिकार्ड समय में छात्रावास के भवन का निर्माण आप सब महानुभावों के सहयोग से करवाया है। श्री कच्छवाहा ने सभी से इस छात्रावास हेतु अधिक से अधिक सहयोग राशि प्रदान करने की अपील भी की।

इस अवसर पर सभी वक्ताओं ने संस्थान की कार्यशैली की प्रशंसा करते हुए छात्रावास में छात्राओं को बेहतर सुसिवधाऐं मिले इसके लिए प्रयास करने की बात कही वर्तमान में यहां करीब 100 छात्राएं रह रही है। संस्थान द्वारा इस अवसर पर अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। संस्थान के मंत्री श्री प्रकाश चंद सैनी ने बताया कि इस समारोह में भी दानदाताओं ने 12-13 लाख रूपये की सहयोग राशि की घोषणा की जिसका संस्थान हार्दिक आभारी है तथा अतिशीघ्र शेष रहे कार्यो को पूर्ण करवा देगा।

समारोह में जयपुर के साथ ही पूरे प्रदेश के करीब 400 समाजसेवियों ने समारोह में उपस्थित हो संस्थान का मान बढ़ाया। संस्थान के श्री रामप्रसाद कराडिया द्वारा सभी महानुभावों का आभार प्रकट किया गया।

# माली समाज की हत्या के विरोध में भीनमाल में ऐतिहासिक बंद

## युवक की हत्या के आरोप में तीन गिरफ्तार

भीनमाल, 30 जुलाई। शहर के एलएमबी तिराहे से बीस जुलाई को लापता हुए टैक्सी चालक शंकर माली हत्याकांड में शामिल आरोपियों में से तीन को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वहीं पुलिस शेष आरोपियों की तलाश अपने स्तर पर कर रही है। हत्याकांड के विरोध में शहर के व्यापारी संगठनों, टैक्सी यूनियन, माली समाज जिला जालोर व शहर के नागरिकों द्वारा आयोजित भीनमाल बंद अभूतपूर्व रूप से सफल रहा।

शंकर माली हत्याकांड की जानकारी देते हुए पुलिस उप अधीक्षक जयपालसिंह यादव व थानाधिकारी दिनेश कुमार ने बताया कि गत बीस जुलाई को दीपाराम मेघवाल, वगताराम चौधरी व श्रवण साटिया ने शंकर माली की टवेरा कार को किराये पर लेकर उसे समदड़ी ले गये। जहां इन्होनें शंकर माली की बेरहमी पूर्वक हत्या कर शव को सांवरड़ा गांव के पास खारा में गाड़ दिया। यादव ने बताया कि दीपाराम मेघवाल राजस्थान व गुजरात के कई शहरों में भागता रहा मगर पुलिस ने उसे मोबाइल कॉल की लोकेशन के आधार पर अहमदाबाद से दस्तयाब कर रविवार को थाने लाकर गिरफ्तार कर लिया। यादव के अनुसार दीपाराम की निशानदेही पर शंकर के शव को सांवरड़ा के पास खारा में गड़ा हुआ था जिसे निकालकर यहां ले आये। शव को रात्रि में मोर्चरी में रखवाया गया था। जिसे आज पुलिस व नागरिकों की बैठक में समझाइश कर परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया। सीआई दिनेश कुमार ने बताया कि हत्याकांड में षड्यंत्र रचने के आरोपी नरपतसिंह पुत्र अजबसिंह राजपूत निवासी कुशलापुरा को उसके घर से पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया जबकि जग्गू उर्फ सत्यवीरसिंह पुत्र नरपतसिंह को मुम्बई के पास लोणावला से गिरफ्तार कर उसे भीनमाल लाया गया।

सीआई ने बताया कि मामले में प्रयुक्त टवेरा कार उदयपुर की किसी पार्टी को 85 हजार में बेचा गया था मगर खरीददार को शक होने पर उसने गाड़ी को लावारिस छोड़ दिया जिसे पुलिस ने पूर्व में निम्बाहेड़ा से बरामद कर लिया था। सीआई ने बताया कि शंकर माली की हत्या करने के बाद दीपाराम वगैरह ने फोन कर जग्गू उर्फ सत्यवीरसिंह व छगन संत को बताया। जिस पर छगन व जग्गू उर्फ सत्यवीरसिंह भीनमाल से एक बोलेरो लेकर सिरोही गये, जहां पर दीपाराम की इनसे मुलाकात हुई और गाड़ी बेचने की बात बताई। सिरोही से ये दोनों गाड़िया उदयपुर पहुंची जहां पर एक पार्टी को गाड़ी बेचकर जग्गू उर्फ सत्यवीरसिंह व छगन संत वापस भीनमाल आ गये। जबकि दीपाराम आगे से आगे भागता रहा। यादव ने मामले में प्रयोग लिये गये दूसरे बोलेरो वाहन के नम्बर के बारे में बताने से इन्कार कर दिया और कहा कि इस बारे में अनुसंधान के बाद ही वे कुछ बता पायेगें। यादव ने बताया कि अन्य तीन आरोपी छगन संत, वगताराम चौधरी व श्रवण साटिया की पुलिस तलाश कर रही है तथा उन्हें जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जायेगा।

स्टेडियम में हुए एकत्रित : मामले को लेकर शहर के सभी नागरिकों, व्यापारी संगठनों, टैक्सी यूनियन व माली समाज जिला जालोर के करीब तीन हजार से 'यादा लोग थाने के सामने स्टेडियम में एकत्रित हुए। जहां माली समाज के किसान नेता भगवानाराम माली सांचौर, भभूताराम सोलंकी जालोर, रूपाराम पावली, शिवसेना के प्रदेश प्रमुख शेखर व्यास, रजनीकांत वैष्णव, पार्षद दिनेश दवे, केके सेठ, सांसद देवजी पटेल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए सभी आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने की मांग की। इस मौके भीरू ग्रुप के अध्यक्ष प्रभुराम सांखला, सचिव भंवरलाल सोलंकी, नपा उपाध्यक्ष जयरूपाराम माली, जीएम परमार, भारताराम माली, नाथू सोलंकी, जालोर टैक्सी यूनियन के अध्यक्ष अम्बालाल माली, व्यापार संघ के अध्यक्ष नरेश अग्रवाल, भाजपा मीडिया प्रवक्ता पृथ्वीराज गोयल, दिनेश दवे नवीन, तेजराज मेहता, सुरेश एस बोहरा, मोहनलाल सेठ, सोहनमल माली, कलाराम माली, भलाराम माली, मेड़ा सरपंच फूलाराम, हरियाली सरपंच रूड़ाराम, कृषि मण्डी डायरेक्टर अमराराम, धूंधाड़ा सरपंच सहित सैकड़ों गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

बंद रहा सफलः मामले को लेकर व्यापारी संगठनों एवं अन्य संगठनों की की ओर से आयोजित बन्द ऐतिहासिक रूप से सफल रहा। बन्द के दौरान पान के गल्ले, सब्जी मंडी, मोबाइल दुकानें, कपड़ा दुकाने और किराणा की समस्त दुकानें बन्द रही। लोग चाय-नाश्ते के लिए इधर-उधर भटकते देखे गए।

सहायता की घोषणा पर सकपकाए सांसदः मृतक परिवार को सांसद कोष से आर्थिक सहायता देने की बात पर सांसद पटेल एकबारगी तो सकपका गये मगर उन्होनें तुरन्त संभलते हुए स्वयं की ओर से मृतक के परिजनों को इक्यावन हजार रूपये की सहायता करने का आश्वासन दिया। सांसद ने कहा कि अगर भीनमाल टैक्सी यूनियन कार्यालय खोलना चाहती है तो वह इसके लिए सांसद कोष से तीन लाख रूपये देने के लिए सहमत है।

शव उठाने को राजी हुआ माली समाजः शव को नहीं उठाने की मांग को लेकर शहर के नागरिक व माली समाज लामबंद हो गया था, मगर सांसद पटेल के कहने पर और पुलिस अधिकारियों के आश्वासन पर माली समाज के लोग शव को उठाने के लिए तैयार हो गये।

कानाफूसी में हुआ विरोधः मामले के बाद माली समाज के कई लोगों ने कानाफूसी में सांसद का विरोध करते हुए उनके रवैये को उचित नहीं बताते हुए उन्हें पुलिस प्रतिनिधि कहा।

बोलेरो के नम्बर नहींः पुलिस ने मामले में एक बोलेरो को जब्त किया है मगर पुलिस उसके नम्बर नहीं बताते हुए कह रही है कि नम्बर बाद में बताये जायेगें।

पुलिस का हुआ विरोधः मामले के दौरान एकत्रित हुए लोगों ने जमकर पुलिस की कार्यशैली का विरोध करते हुए आरोपियों को तुरन्त गिरफतार करने की मांग की।

दिया ज्ञापनः टैक्सी यूनियन, व्यापारी संगठन और माली समाज जिला जालोर ने पुलिस अधीक्षक के नाम एक ज्ञापन पुलिस उप अधीक्षक को दिया ज्ञापन में पुलिस को मामले से सम्बन्धित दस प्रश्न पूछे गये। हालांकि पुलिस उप अधीक्षक जयपालसिंह यादव ने इन प्रश्नों के उत्तर दिये। ज्ञापन में बताया गया कि मामले में प्रयुक्त दो वाहनों में से एक वाहन के नम्बर पुलिस क्यों नहीं बता रही है। ज्ञापन में बताया गया है कि पुलिस की थ्योरी के अनुसार यह मामला लूट का है जबकि ऐसा नहीं है। ज्ञापन में शेष आरोरिपयों को गिरफ्तार करने, पुलिस निरीक्षक दिनेश कुमार को हटाने व मामले की निष्पक्ष जांच करवाने की मांग की गई है।

हुआ अंतिम संस्कारः मृतक शंकर की लाश का अंतिम संस्कार जुंजाणी रोड़ स्थित माली समाज श्मशान स्थल पर दोपहर बाद करीब तीन बजे व्यापारी संगठनों के प्रतिनिधियों व माली समाज के हजारों लोगों की उपस्थिति के बीच किया गया।

पुलिस का हुआ विरोधः मामले के दौरान एकत्रित हुए लोगों ने जमकर पुलिस की कार्यशैली का विरोध करते हुए आरोपियों को तुरन्त गिरफतार करने की मांग की।

दिया ज्ञापनः टैक्सी यूनियन, व्यापारी संगठन और माली समाज जिला जालोर ने पुलिस अधीक्षक के नाम एक ज्ञापन पुलिस उप अधीक्षक को दिया ज्ञापन में पुलिस को मामले से सम्बन्धित दस प्रश्न पूछे गये। हालांकि पुलिस उप अधीक्षक जयपालसिंह यादव ने इन प्रश्नों के उत्तर दिये। ज्ञापन में बताया गया कि मामले में प्रयुक्त दो वाहनों में से एक वाहन के नम्बर पुलिस क्यों नहीं बता रही है। ज्ञापन में बताया गया है कि पुलिस की थ्योरी के अनुसार यह मामला लूट का है जबकि ऐसा नहीं है। ज्ञापन में शेष आरोरिपयों को गिरफ्तार करने, पुलिस निरीक्षक दिनेश कुमार को हटाने व मामले की निष्पक्ष जांच करवाने की मांग की गई है।

हुआ अंतिम संस्कारः मृतक शंकर की लाश का अंतिम संस्कार जुंजाणी रोड़ स्थित माली समाज श्मशान स्थल पर दोपहर बाद करीब तीन बजे व्यापारी संगठनों के प्रतिनिधियों व माली समाज के हजारों लोगों की उपस्थिति के बीच किया गया।

# माली समाज के मंदिर का जीर्णोद्धार

पाली। पानी दरवाजा स्थित चारभुजा मंदिर के जिर्णोद्धार एवं निर्माण हेतु भूमि पूजन एवं नींव का मुहर्त श्रीमती एवं श्री देवीलाल सांखला के हाथों संपन्न हुआ। इस अवसर पर माली समाज पाली के अध्यक्ष श्री कैलाश काबली के साथ ही समाज के श्री प्रदीप कच्छवाहा, जगदीश कच्छवाहा, श्री जयचंद सांखला उपस्थित थे।

इसके साथ श्री लक्ष्मण सिंह टाक, श्री सुखदेव सांखला श्री मीठालाल गहलोत, श्री जुगराज देवड़ा, श्री ओमप्रकाश भाटी, राजू तंवर, श्री नेमीचंद कच्छवाहा, श्री रामचंद्र कच्छवाहा, श्री सोहनलाल परिहार, श्री मिश्रीलाल परिहार, श्री भंवरलाल कच्छवाहा, श्री जुगराज गहलोत, श्री मंगलाराम सांखला, श्री जेठाराम परिहार एवं विजयराज टाक आदि कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित थे।

# माली (सैनी) समाज संस्थान (रजि.) मंगलपुरा का गठन

## मालचन्द टाक अध्यक्ष वीरेन्द्र भाटी मंगल मंत्री बने

लाडनूं 28 जुलाई। माली (सैनी) समाज मंगलपुरा की एक आम सभा का आयोजन ठाकुरजी मन्दिर प्रांगण में तनसुखराम टाक की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में स्व. भैराराम मारोठिया की स्मृति में उनके सुपुत्र तोलाराम, भागीरथ, पूनमचन्द मारोठिया ने अपने खेत से एक बीघा भूमि दान देने की घोषणा की। इस अवसर पर तोलाराम मारोठिया ने इस भूमि के लिए अपने खेत से 20 फुट का रास्ता (करीब आधा बीघा भूमि) अलग से देने की घोषणा की। मारोठिया की इस घोषणा से सम्पूर्ण आम सभा ने सर्वसम्मति से करतल ध्वनि के साथ सहज स्वीकृति प्रदान करते हुए भूमि दानदाता की प्रशंसा की।

इस आम सभा में सर्वसम्मति से पूर्व प्रधानाध्यापक मालचन्द टाक को माली (सैनी) समाज संस्थान का प्रथम अध्यक्ष मनोनित किया गया। टाक को अध्यक्ष बनाये जाने पर सभी उपस्थित लोगो ने खुशी व्यक्त करते हुए इसे समाज के विकास के लिए उपयोगी कदम बताया। अध्यक्ष मालचन्द टाक ने सभा को संबोधित करते हुए समाज के विकास के लिए भवन की आवश्यकता जताते हुए एक भव्य अतिथि भवन बनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर उन्होंने एक कमरा अपनी ओर से बनवाने की घोशणा की।

पत्रकार वीरेन्द्र भाटी मंगल ने आम सभा को संबोधित करते हुए कहा कि समाज के विकास के लिए हम सबको मिलकर प्रयास करने होगें। तभी हमारा समाज आगे बढ पायेगा। उन्होनें कहा कि दानदाता द्वारा समाज को एक बीघा भूमि का दान दिया गया है, इस भूमि पर समाज का भव्य अतिथि भवन बने यह प्रयास हम सबको करना चाहिए। इस अवसर पर भेराराम भाटी, पूर्व सरपंच दुलीचन्द सांखला, चम्पालाल भाटी, मालचंद टाक मुनीम, धुकलराम टाक, चुन्नीलाल भाटी, लालचन्द भाटी, माणकचन्द टाक, बंशीधर सूईवाल, भंवरलाल इंदोरिया, सूरजमल टाक, प्रेमसुख टाक, बाबूलाल टाक, गुलाबचन्द टाक, गंगाराम टाक, डूंगरमल टाक, मालचन्द भाटी, जीतमल भाटी, चुन्नीलाल भाटी, पन्नालाल टाक, भंवरलाल इंदोरिया, चम्पालाल टाक, नोरतनमल टाक, अनिल टाक आदि सहित सैकडों लोग उपस्थित थे। उपस्थित सभी महानुभावों ने सहयोग का आश्वासन देते हुए इस कार्य को अंजाम देने का आह्वान किया।

अध्यक्ष मालचन्द टाक ने अपनी कार्यकारिणी की घोषणा करते हुए बताया कि उपाध्यक्ष तोलाराम मारोठिया, मंत्री वीरेन्द्र भाटी मंगल, कोषाध्यक्ष लक्ष्मीपत सैनिक, सहमंत्री विजयसिंह टाक, हिसाब परीक्षक रमेश टाक, स्टोर कीपर भंवरलाल इंदोरिया, संगठन एवं प्रचारमंत्री भंवरलाल तंवर, सांस्कृतिक एवं खेलकूद मंत्री मालचन्द भाटी, विधि मंत्री एडवोकेट मुन्नालाल टाक को बनाया गया है।

वहीं कार्यकारिणी सदस्य के रूप में तनसुखराम टाक, गुलाबचन्द टाक, दुर्गादत भाटी, मदनलाल भाटी, चिकित्सक डॉ. उमेश आर्य को मनोनित किया गया है। इस अवसर पर समाज के 52 लोगों को साधारण सदस्य बनाया गया है। अध्यक्ष ने बताया कि संस्थान के रजिस्ट्रेशन के बाद भूमिदान दाता ने 20 फुट चौडा व करीब तीन सौ फुट लम्बा रास्ता खोल दिया गया है। भूमि रजिस्ट्रेशन की कार्यवाही चल रही है।

# माली समाज जिला जालोर प्रतिभा, भामाशाह एवं समाजसेवी सम्मान समारोह 2 सितम्बर को भीनमाल में

भीनमाल। संत श्री लिखमीदास सेवा संस्थान (भीरु ग्रुप) के तत्वावधान में माली समाज प्रतिभा, भामाशाह एवं समाजसेवी सम्मान समारोह का आयोजन आगामी 2 सितम्बर को क्षेमंकरी तलहटी स्थित माली समाज प्रांगण में किया जायेगा।

संस्थान के सचिव भंवरलाल सोलंकी ने बताया कि समारोह में कुल 576प्रतिभाओं, 16 भामाशाहों, 18 समाजसेवियों, 11 चिकित्सकों एवं जिले के माली समाज जनप्रतिनिधियों का सम्मान किया जायेगा। प्रतिभाओं को सम्मान में उन्हें प्रशस्ति पत्र, सिल्वर मेडल व स्कूल बैग प्रदान किये जायेगें। सोलंकी ने बताया कि समारोह मोतीबाबा साँखला के सानिध्य, डाँग क्षेत्रिय बोर्ड जयपुर के अध्यक्ष सत्यनारायणसिंह सैनी व राजस्थान रा'य क्रीड़ा परिषद् के अध्यक्ष शिवचरण माली के मुख्य आतिथ्य में आयोजित होगा। जबकि समारोह की अध्यक्षता पूर्व मंत्री एवं संत श्री लिखमीदास महाराज विकास संस्थान अमरपुरा के अध्यक्ष राजेन्द्र गहलोत करेगें। समारोह का उद्घाटन जिले के अतिरिक्त जिला कलेक्टर चुन्नीलाल सैनी करेगें। मातृशक्ति अतिथि के रूप में मुंबई की समाजसेवी डॉ. मनीषा मण्डादे व ऑल इण्डिया माली सैनी समाज, इन्दौर की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष की श्रीमती अलका सैनी उपस्थित रहेगी।

सोलंकी ने बताया कि समारोह के मुख्य वक्ता प्रेमराज सोलंकी अजमेर, बनवारीलाल सैनी झुंझनु, बाबूलाल देवड़ा जालोर व ओमकार क'छवाह जोधपुर होगें। समारोह के अति विशिष्ट अतिथियों में जल स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग जालोर के अधीक्षण अभियन्ता दिनेश कुमार सैनी, नागौर के महेन्द्र परिहार, माली सैनी सन्देश जोधपुर के सम्पादक मनीष गहलोत, मैसूर से उद्योगपति एवं भामाशाह बाबूलाल साँखला, डीसा से डॉ. देवीन भाई व अहमदाबाद महात्मा 'योति बा फूले सेवा संस्थान के अध्यक्ष कालूराम साँखला होगें। विशिष्ट अतिथियों में प्रवक्ता शैलेन्द्र गहलोत, डिस्कॉम सहायक अभियन्ता भरत देवड़ा, आबकारी थानाधिकारी शैलेन्द्र पंवार, भाजपा जालोर के पूर्व जिलाध्यक्ष भभूताराम सोलंकी, एडवोकेट पुरुषोत्तम सोलंकी, किसान नेता एवं समाजसेवी भगवानाराम सुन्देशा, सिरोही जिला परिषद् सदस्य पुखराज गहलोत एवं स्थानीय नगरपालिका के पूर्व चैयरमेन जी. एम. परमार होगें। समारोह का संचालन पारसमल साँखला, शीला परमार व निधी भाटी करेगें।

# सैनी नवयुवक संस्था की ओर से ठाकुरजी की रथ विहार यात्रा शाही लवाजमे व गाजे बाजे के साथ निकाली

21 जुलाई को माली (सैनी) समाज की ओर से श्री गोपालजी महाराज के मन्दिर नीम चौकी शहर सवाई माधोपुर से ठाकुरजी की रथ विहार यात्रा शहर के मुख्य बाजारों से निकाली गई। श्रावण शुक्ल द्वितीया की पावन तिथि पर ठाकुरजी की रूकमणी के साथ शाही लवाजमे से सज धज कर गाजे बाजे के साथ नगर भ्रमण को निकले। संस्था के अध्यक्ष कमलेश बारवाल के अनुसार रथ यात्रा में जिले से समाज बंधुओं ने परिवार सहित रथ यात्रा मेंहिस्सा लिया। यात्रा में समाज की महिलाएं धार्मिक रंग में रंगकर नाचती हुई गई। युवाओं में पूरे जोश व सेवा भावना के साथ यात्रा में हिस्सा लिया। समाज बंधुओं ने व्यवसायिक गतिविधियों से परहेज रखा। यात्रा में समाज के अग्रणी महात्मा ज्योति बा फमले की झांकी भी दिखाई गई। घोड़ों पर सवार होकर वीर युवक यात्रा की अगुवाई कर रहे थे।

यात्रा से पहले एक सभी का भी आयोजन किया गया। सभा को सम्बोधित करते हुए अध्यक्ष बारवाल ने सभी युवाओं से संगठित रहकर, समाज को शिखर पर पहुंचाने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि समाज में शिक्षा का स्तर बढ़ाकर बालिका शिक्षा को प्रोत्साहन देकर नये आयाम स्थापित किये जा सकते है। उन्होंने सभी समाज बंधुओं से आगामी 15 अक्टूबर को आयोजित होने वाली महात्मा ज्योतिबा फूले युवा महासभा में शामिल होने की अपील की है।

रथ विहार यात्रा में जिले के कोने कोने से एवं पड़ोसी जिलों से भी समाज बंधुओं नेहिस्सा लिया। कार्यक्रम की समाप्ति पर खींची राजा की छतरी पर सामूहिक गोठ का भी आयोजन किया गया। संस्था अध्यक्ष बारवाल ने रथ यात्रा में शामिल सभी समाज बंधुओं का आभार जताया।

# जीवन की सार्थकर्ता

प्रस्तुति : **श्री मगराज टाक** (बीकानेर)

ईमानदारी से हम जितना भी आत्मपरिष्कार कर सकते है उससे हमें पीछे नहीं हटना चाहिए। मानव शरिर पाकर हमें यह अवसर मिला है इसके एक एक क्षण का मूल्यांकन हमें भली भांति करना चाहिए। हमें रचनात्मक कर्य करने होंगे जो स्थिति परिस्थिति के अनुसार हमें तय करने होंगे। हमें अपने ही समान विचारों वाले अन्य लोगों को जोड़ना होगा। जो हमारे द्वारा बनाई गई रूपरेख के कियान्वयन में तन-मन-धन से सहयोग कर सके। यह हमारे मानवीय और सामाजिक जीवन का वास्तविक सदुपयोग होगा।

मानव शरीर पाकर यदि हम अपना या अपनों का ही भला किया तो क्या किया ?यह तो सभी करते है। विशेषता इसमें है कि निःस्वार्थ भाव से किसी जरूरतमंद की सहायता की जाये। परमपिता परमेश्वर की कृपा और पूर्वजों का आशीर्वाद हमें सकारात्मक उर्जा व शक्ति तभी प्रदान करता है जब नैतिकता के पथ पर हो। हमारे जीवन का उद्देश्य क्या हो ?इस नजरिये में हमें व्यापकता लानी चाहिएं अपने से जुड़े परिवार के सदस्यों के भरण पोषण के दायित्व का निर्वहन करना भी सामाजिक उत्तरदायित्व की पूर्ति करता है। क्योंकि परिवार भी समाज का ही अंग है। यदि हम अपने बच्चों को उचित शिक्षा दीक्षा देंगे तो वे अराजकता से दूर रहेंगे। इससे उनके प्रति स्वयं या परिवार और समाज को चिंतित नहीं होना पड़ेगा। लिप्सा और तृष्णा हमारे दुखों का कारण बनता है। यही हमें स्वार्थी बनाती है जिससे हमारा चिंतन विकृत होता है और इसके साथ साथ हमसे जुड़े लोगों को भी कष्ट होता है। जितनी आवश्यकताएं हम बढ़ाते है उतनी हमारी समस्याएं बढ़ेगी। हमें अपनी आवश्यकताओं को सीमित रखते हुए अधिकांश समय रचनात्मक कार्यों में लगाना चाहिए। इसी में बड़प्पन है और यही सार्थक जीवन का सार है।

# माली समाज परम्परा व सम्भावनाएं

प्रस्तुति : **श्री दिलीप टाक** (जोधपुर)

हमारे समाज के गौरवमयी परम्परा व अपने पुरखों के बारे में सोचते है तो हमें गर्व व धरती पुत्र होने का आनन्द अनुभव होताै । परमात्मा कीबनाई परहित कीमूल भावना हमारे पूर्वज से आज से तक कृषक बंधुओं में कायम हैं सारी रात पाणत करके सुबह सब्जी मण्डी में पालक सब्जी का भाव नहीं मिलता नतीजा गायों को अक्सर डाला जाता है, अक्सर कहां जाता है कि माली सेर सब्जी लो तो सवा सेर ही देता है। कभी कम नहीं तोलता, छोटे कस्बे व शहर निवासी हमारे भाई बहिनों में आज भी प्रकृति की मूल भावनाएं सर्वजन हिताय की मौजूद है। पर्यावरण जीवसेवा, इंसानों के लिए प्याऊ लगाने जैसी भावनाएं हमारे समाज के बहुतेरे लोगों में आज भी विद्वमान है।

हमारे समाज की संस्कृति व पहचान भी आज इन्हीं प्रकृति प्रेमी गांव वाले बहन भाईयां के कारण बची है। यह दुनिया परमात्मा चलाता है वहीं पेड़ पौधों के माध्यम से इंसान को जिन्दगी देते है। यही प्रकृति अगर एक क्षण के लिए देना बंद कर दे तो मानव का जीना असंम्भव है। यही भावना हमारे पूर्वजों में रही है कितना ही दुख तकलीफ देखकर भी हमारे पूर्वजों ने खेती बाड़ी नहीं छोड़ी। प्रकृति में पेड़ पौधे हमेशा देते ही है इंसान से लेते कुछ भी नहीं। इनका असंतुलन हमारे वजूद को खतरा है, परमात्मा के देने की भावना का मूलमंत्र हमारे ग्रामीण बहन भाईयों ने अपनाया है। इन्हीं के कारण आज भी हमारी पहचान बनी हुई है। तथाकथित पढ़े लखे पैसे वाले व समाज सेवा का चोला पहनकर काफी लोगों ने हमारे समाज का नाम खराब करने में कोई कमी नहीं रखी। हमें यह नहीं सोचना है कि हमने कितनी प्रगति की बल्कि ये कि हममे आज भी कितनी कमियां है। अपनी अच्छाईयों को हम बढ़ायेगे तो बुराईयों अपने आप कम हो जायेगी। जैसे पौधे के पास से खरपतवार हटाने से पौधा जल्दी बड़ा हो जाता है।

# जितेन्द्र विशनोलिया (सैनी) ने समाज का नाम रोशन किया

पिलानी के जितेन्द्र विशनोलिया जयपुर के ग्लोबल इन्स्टीटयूट ऑफ टेक्नोलोजी से 70% अकों के साथ बी.टेक (मैकेनिकल) इंजीनियरिंग परीक्षा उत्तीण की। जितेन्द्र विशनोलिया ने अपनी कॉलेज से ही Campus प्लेसमेंट में अम्बुंजा सीमेन्ट एवं लार्सन एण्ड टुब्रो (L&T) में इंजीनियर के पद पर नियुक्ति के लिए चयनित हुए और वर्तमान में लार्सन एण्ड टुब्रो कम्पनी के इंजीनियर के पद पर नियुक्ति ग्रहण करी। जितेन्द्र विशनोलिया का जन्म पिलानी में 27 अक्टूम्बर 1990 को हुआ, वे श्री भोलाराम जी सैनी के सुपौत्र एवं श्री सुन्दरलाल सैनी के पुत्र है।

माली सैनी संदेश की तरफ से जितेन्द्र विशनोलिया को हार्दिक बधाई एवं शुभाकानाएं।

# खुशबू सैनी को दोहरा प्रथम पुरस्कार

बीकानेर। श्री जैन आदर्श सेवा संस्थान नोखा बीकानेर के रजत जयंति समारोह 25-31 जुलाई 2012 के अवसर पर आयोजि जिला बीकानेर की महाविद्यालय स्तरीय वाद विवाद प्रतियोगिता और आशुभाषण प्रतियोगिता में सुश्री खुशबू सैनी (टाक) पुत्री मेघराज टाक निवासी किसमीदेसर श्री जैन (पी. जी.) कन्या महाविद्यालय बीकानेर की बी.ए. फाइनल की छात्रा को पृथम प्रथम प्रथम घोषित किया गय।

संस्थान की ओर से प्रत्येक प्रतियोगिता के प्रथम पुरस्कार के रूप में 2100-2100 रूपये की नकदी ईनाम की राशि निर्धारित थी। संस्थान के रजत जयंति समारेह के समापन पर 31 जुर्ला को श्री अर्जुन मेघवाल सांसद, बीकानेर द्वारा सुश्री खुशबू सैनी (टाक) के 2100-2100 रूपये की ईनाम राशि, स्मृति राशि व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

माली सैनी संदेश परिवार की ओर से हार्दिक बधाई व शुभकामनाऐं।

# कृष्णजन्माष्टमी पर्व धूमधाम से मनाया

बैंगलोर। माली सैनी समाज कर्नाटक बैंगलोर के तत्वावधान में दो दिवसीय श्री कृष्ण जन्माष्टमी एवं वार्षिक स्नेह समारोह पैलेसे ग्राउण्ड स्थित प्रिंसेस एकेडमी में हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। प्रथम दिवस शुक्रवार रात्रि भगवान श्री कृष्ण एवं लिखमीदासजी महाराज की तस्वीरों की पुजा अर्चना एवं भव्य झांकी सजाई गई। इस अवसर पर भजन संध्या का आयोजन किया गया। वार्षिक चढ़ावों की बोलीयां बोली गई। जिसमें महाप्रसादी का चढावा टिकमाराम परमार एवं उदयराम बागडी परिवार ने संयुक्त रूप से प्राप्त किया। कार्यक्रम में समाज के युवा संगठन द्वारा कार्यक्रम को सुचारू रूप से सम्पन्न करने में महत्वपूर्ण योगदान रहा। द्वितीय दिवस शनिवार को प्रात: 10.30 बजे से समारोह का शुभारम्भ किया गयां जिसमें चढ़ावों के लाभार्थियों का माला एवं साफा पहनाकर अभिनन्दन किया गया। इस अवसर पर बाहर से पधारे मेहमानों का भी स्वागत किया गया।

इस अवसर पर महाप्रसादी का आयोजन किया गया। जिसमें स्वजातिय बंधुओं ने सपरिवार प्रसादी ग्रहण की। कार्यक्रम में समाज के अध्यक्ष घनश्याम सांखला, मंत्री उदयराम परमार, कोषाध्यक्ष दुर्गाराम, सहकोषाध्यक्ष दामोदर कच्छवाह, कार्यकारिणी सदस्य, पुखराज सोलंकी, थानाराम भाटी, कालूराम भाटी, संरक्षक राजाराम चौहान, सलाहकार उदयराम बागड़ी एवं कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित रहे। समारोह के मुख्य अतिथि विधान परिषद सदस्य लहरसिंह सिरोया रहे।

युवा संगठन द्वारा : जन सेवार्थ जयनगर स्थित कृष्णा सेवा आश्रम को एम्बुलेन्स भेंट की इस अवसर पर युवा संगठन द्वारा लक्की ड्रा का आयोजन किया गया।। जिसमें बम्बर लक्की ड्रा के भाग्यशाली विजेता सुरेन्द्र सांखला रहे। इसके अलावा नौ इनाम एवं सौ सात्वंना पुरस्कार का भी ड्रॉ खोला गया। युवा संगठन के अध्यक्ष माणक चौहान, उपाध्यक्ष रामलाल सोलंकी, मंत्री रमेश कच्छवाह, कोषाध्यक्ष उत्तर पंवार, सहमंत्री पवन भाटी, सहकोषाध्यक्ष भूपेन्द्र बागड़ी, सलाहकार मंत्री बस्तीमल चौहान, सांस्कृतिक मंत्री, सुनील चौहान, कानून मंत्री पवन चौहान एवं समस्त सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन प्रमोद परिहार ने किया।

# माली समाज के वरिष्ठ नागरिकों का होगा सम्मान

सवाई माधोपुर। सैनी नवयुवक संस्था की तृतीय वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित होने वाली महात्मा ज्योतिबा फूले युवा महासभा में 15 अक्टूबर को माली समाज के सीनियर सीटीजनों का सम्मान होगा। संस्था के अध्यक्ष श्री कमलेश बारवाल ने रणथम्भौर स्थित श्री गणेश जी महाराज का आमंत्रण देने के पश्चात आयोजित बैठक में ये विचार व्यक्त किये।

उन्होंने बताया कि शिक्षा एवं समाज सेवा में उत्कृष्ट कार्य करने वालो का भी सम्मान किया जायेगा। साथ ही रामनवमी पर सम्पन्न विवाह सम्मेलन में आदर्श कार्यकर्ताओं के रूप में सेवा देने के लिए सैनी नवयुवक मण्डल भडेरडा एवं छाबड़ी चौक, आलनपुर की टीमों का सम्मान किया जायेगा। इसके साथ ही अन्य कार्यकर्ताओं का भी सम्मान किया जायेगा।

इस कार्यक्रम में एक 15 सूत्री परिचर्चा विषय रूपी गोष्ठी आयोजित की जायेगी। जिसमें वर्षो से अधूरे पड़े माली छात्रावास पर चर्चा की जायेगी। सामाजिक कुरूतियां (मृत्युभोज, नशामुक्ति, दहेजप्रथा, बालविवाह) का बहिष्कार कर समाज में युवाओं द्वारा जनचेतना लाने की रूपरेखा बनाई जायेगी। लिगांनुपात सही हो, इसके लिए भ्रूण हत्या रोककर, बेटी का बचाना है के लिए आयोजित सभा में उपस्थित जन सैलाब द्वारा शपथ ली जायेगी। सामाजिक गतिविधियों में महिलाओं की भूमिकाओं को प्रोत्साहन दिया जायेगा। माली समाज को शिक्षा व राजनीति में अलग से आरक्षण का कोटा मिले, इसकी आगामी रणनीति तैयार की जायेगी।

# सुन्दरलाल सैनी, रेल्वे उपभोक्ता सलाहकार समिति, के सदस्य मनोनित

यह बड़े हर्ष का विषय है कि सुन्दरलाल सैनी, महाप्रबन्धक (लोजिस्टिक) अल्ट्राटेक सीमेन्ट लि. (युनिट – आदित्य सीमेन्ट वर्क्स) वर्ष 2012 एवं 2013 अवधि के लिए पचिमी रेल्वे के रतलाम मण्डल में रेल उपयोग कर्त्ता सलाहकार समिति में इन्डस्ट्रीज एसोसियेशन के प्रतिनिधि के रूप में सदस्य मनोनित किए गये हैं।

श्री सुन्दरलाल सैनी पिछले 25 वर्षो से सीमेन्ट उद्योग से जुड़े हुए हैं वर्ष 1986 से 1997 तक अम्बुजा सीमेन्ट 1997 से 2007 तक बिनानी सीमेन्ट एवं 2007 से वर्तमान तक अल्ट्राटेक सीमेंट में महाप्रबन्धक (लोजिस्टिक) के पद पर कार्यरत है। श्री सुन्दरलाल सैनी पिलानी जिला–झून्झूनू के श्री भोलाराम सैनी, वरिष्ठ काग्रेंसी एवं समाज सेवी के सुपुत्र है।

माली सैनी संदेश की तरफ से सुन्दर लाल जी सैनी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

# सोलंकी के सेवानिवृति पर अभिनंदर समारोह आयोजित

**जालोर।** विद्युत विभाग उम्मेदाबाद के वरिष्ठ लिपिक पद से सेवानिवृत हुए समाजसेवी जूठाराम सोलंकी का जोधपुर विद्युत वितरण निगम की ओर से विदाई व अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। विदाई समारोह में निगम के अधीक्षण अभियन्ता केके शाह ने सोलंकी के कार्यो की भूरी-भूरी प्रशंसा की।

सेवानिवृत हुए जूठाराम सोलंकी को विद्युत विभाग के कर्मचारियों ने फूल मालाओं से लाद दिया। विद्युत विभाग के एक्सईएन हेमन्त सकलेचा, कर्मचारी नेता वासुदेव, विनोद आर्य, गोपाल लाल, नंदलाल गहलोत, बंशीलाल सोनी सहित विद्युतकर्मियों व ग्रामीणों ने सोलंकी को माल्यार्पण कर भावभीनी विदाई दी।

वहीं सोलंकी के सेवानिवृत होने पर राजेन्द्र नगर में अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। इसमें कांग्रेस के प्रदेश महामंत्री पुखराज पाराशर, पूर्व मंत्री राजेन्द्र गहलोत, पूर्व जिला प्रमुख मंजू मेघवाल, पूर्व विधायक टीकमचंद कांत, मदनलाल सैनी, गणेशीराम मेघवाल, भाजपा जिलाध्यक्ष नारायणसिंह देवल, भाजपा जिला प्रवक्ता पृथ्वीराज गोयल, नगर परिषद् के सभापति इन्दू परिहार, उप सभापति ईश्वर मेहता, कांग्रेस जिलाध्यक्ष नैनसिंह राजपुरोहित, चिरंजीलाल दवे, रविन्द्रसिंह बालावत, पूर्व प्रधान प्रदीपसिंह, हड़मतसिंह सोढ़ा, राजू सांखला, महात्मा 'योति बा फूले जागृति मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोतीबाबा सांखला, राधेश्याम तंवर जोधपुर, जालोर माली समाज अध्यक्ष पन्नालाल सोलंकी, भीरु ग्रुप भीनमाल से भंवरलाल सोलंकी, पारसमल सांखला, बाबूलाल बी. परमार, कस्तुराराम सुन्देशा, चुन्नीलाल सांखला, पारसमल एफ सुन्देशा, छगनलाल सांखला, वेलाराम सांखला, पूर्व कोषाधिकारी ईश्वरलाल शर्मा, देवीलाल माली, मुकेश सोलंकी व्याख्याता, ल'छीराम माली, जिला परिषद सदस्य रमेश सोलंकी, राजस्थान विधि प्रकोष्ठ कांग्रेस के बलवन्त राव, कोषाधिकारी दशरथ सोलंकी, कर्मचारी महासंघ के दलपतसिंह आर्य, लालसिंह सांखला, शकील परवेज, महिला महाविद्यालय च्राचार्य बाबूलाल कुम्हार, व्याख्याता बाबूलाल देवड़ा, सुन्धा माता ट्रस्ट के सदस्य ईश्वरसिंह देवल, डाईट प्राचार्य श्याम सुन्दर सोलंकी, विद्युत विभाग बीकानेर के अधीक्षण अभियंता एमएल मेघवाल सहित काफी संख्या में सरकारी अधिकारी, कर्मचारी, समाजसेवी, जनप्रतिनिधि सहित अन्य नागरिकों ने जूठाराम सोलंकी के किए गए कार्यो की सराहना की।

अभिनंदन समारोह में जूठाराम सोलंकी के सुपुत्र नाथू सोलंकी (प्रदेश सचिव महात्मा फूले जागृति मंच) ने सभी आगन्तुकों व मेहमानों का स्वागत किया।

## देश भर में राजस्थान की पहल

# सुनवाई का अधिकार अधिनियम, 2012

**आम आदमी को समस्याओं तथा अभाव अभियोगों पर उसके निवास के निकटतम स्थान पर ही एक निश्चित समय सीमा में सुनवाई का अधिकार**

यह अधिनियम देश में प्रथम बार राजस्थान मे लागू किया जा रहा है। इस अधिनियम से आम जनता को उसके निवास स्थान के नजदीक सुनवाई का अवसर प्रदान करने की व्यवस्था की गई है। इस अधिनियम के तहत जब शिकायत परिवाद पर 15 दिवस में सुनवाई की अनिवार्यता होगी। साथ ही शिकायत/परिवाद पर लिए गये निर्णय की संसूचना 7 दिवस में देने की अनिवार्यता भी सुनिश्चित की गई है।

इससे पहले भी राज्य सरकार द्वारा शासकीय कार्यो में पारदर्शिता, उत्तरदायित्व एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने क लिए कई निर्णय लिये गये है। इसी कड़ी में 14 नवम्बर 2011 को राज्य में प्रमुख विभागों से जुड़ी हुई महत्वपूर्ण सेवाएं आम जनता को निश्चित समय सीमा में प्राप्त हो सके, इसके लिए राजस्थान लोक सेवाओं के प्रदान की गारन्टी अधिनियम लागू किया गया है। जिसमें 108 सेवाओं से शुरूआत की जाकर वर्तमान में 153 सेवाएं कर दी गई है। इस विधेयक के आशातीत परिणाम प्राप्त हुए है और इसके तहत लगभग 56 लाख से अधिक प्रार्थना पत्र निस्तारित किये गये है। परन्तु यह महसूस किया गया किया जा रहा था कि पारित एक्ट की पूरकता के रूप में अगर राज्य की जनता को सुनवाई का अधिकार भी प्रदान कर दिया जाये तो, इससे आम जनता को राज्य सरकार से सम्बधित किसी भी आभाव अभियोग में राहत प्राप्त करने के लिये एक निश्चित प्लेटफार्म मिल जायेगा। इसी उद्देश्य से इस अधिनियम को राज्य सरकार द्वारा 1 अगस्त, 2012 को आम जनता को सुनवाई का अधिकार दने के लिये लागू किया जा रहा है।

## महत्वपूर्ण बिन्दु :

- इस अधिनियम के तहत जन शिकायत या परिवाद पर 15 दिवस में सुनवाई की अनिवार्यता। साथ ही शिकायत/ परिवाद पर लिये गये निर्णय की संसूचना 7 दिवस मे देने की अनिवार्यता।
- शिकायर्त्ता के निवास स्थान के निकटतम स्थान पर सुनवाई की व्यवस्था।
- ग्राम पंचायत, तहसील, उपखण्ड एवं जिला स्तर पर लोक सुनवाई अधिकारी एवं अपीलीय प्राधिकारियों की नियुक्ति।
- जिला स्तर पर अतिरिक्त जिला कलेक्टर, सम्बधित विभाग के जिला अधिकारी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, आयुक्त नगर निगम/नगर परिषद की लोक सुनवाई अधिकारी के रूप में नियुक्ति।
- जिला कलेक्टर, रीजनल अधिकारी, मेयर, अध्यक्ष नगर परिषद/ नगर पालिका की अपीलीय अधिकारी के रूप में नियुक्ति।
- उपखण्ड एवं जिला स्तर पर गठित जन अभियोग एवं सतर्कता समितियों की उप समितियों को द्वितीय अपील सुनने का अधिकार।
- प्रथम अपील पर निर्णय हेतु 21 दिवस की समय सीमा निर्धारित।
- शिकायत/ परिवाद आवेदन, अपील एवं निर्ण की संसूचना के 8 प्रकार के प्रपत्रों का निर्धारण।
- आवेदन पत्र एवं अपीलीय ज्ञापनों पर कोई शुल्क नहीं।
- दर्ज शिकायत/परिवाद को विशिष्ट रजिस्ट्रीकरण संख्यांक (यूनिक नम्बर) दिये जाने तथा उसका इन्द्राज प्राप्ति रसीद में करने की प्रणाली लागू।
- शिकायत/परिवाद पर लिये गये निर्णय की संसूचना 7 दिवस में देने की अनिवार्यता।
- परिवाद सम्बन्धित नहीं होने पर लोक सुनवाई अधिकारी को परिवाद अन्तरण करने की व्यवस्था।
- सुनवाई तिथियों का निर्धारण कर सूचना बोर्ड पर प्रदर्शित करने की अनिवार्यता।
- जन सामान्य की सहायता एवं मार्गदर्शन के लिए सूचना और सुगम केन्द्रों की स्थापना का प्रावधान
- समय पर सुनवाइ नहीं होने या निर्णय से असंतुष्ट रहने पर 30 दिवस में द्वितीय अपील की व्यवस्था।
- द्वितीय अपील प्राधिकारी को 500 से 5000 रूपये तक शास्ति अधिरोपित करने की शक्तियां।
- शास्ति के विरूद्ध पुनरीक्षण याचिका दायर करने का प्रावधान।
- अधिनियम के तहत किये गये विनिश्चय पर न्यायालय की अधिकारिता का वर्जन
- राजस्थान सुनवाई का अधिकार अधिनियम, 2012 के बारे में विस्तृत दिशा - निर्देश **www.rajasthan.gov.in** से भी डाउनलोड किए जा सकते है।

# आमजन को मिला सुनवाई का अधिकार

# पदाधिकारियों का राष्ट्रव्यापी शिक्षादान अभियान

दिल्ली। महात्मा ज्योतिबा फूले सामाजिक शिक्षण संस्थान द्वारा महात्मा ज्योतीराव फूले एवं सावित्री बाई फूले के आदर्शो को आगे बढ़ानेहेतु गुरूकुल की स्थापना की जा रही है। जिसमें कक्षा 6 से एक लाख विद्यार्थियों को शिक्षा दान कराने का लक्ष्य है। साथ ही 10000 विद्यार्थियों को विभिन्न पदों हेतु कोचिंग सशुल्क प्रदान किया जायेगा। विद्यार्थियों एवं स्टाफ को ताजी सब्जियां हेतु 100 एकड़ का बागवानी फार्म एवं शुद्ध दूध उत्पाद हु 15000 गाय भैस की गौशाला दुग्ध संयत्र, 100 एकड़ में स्थापित करने का लक्ष्य है। इस प्रकार एक ही कैम्पस में देश का प्रथम गुरूकुल बनेगा।

संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष शंकरराव लिंगे (महाराष्ट्र), उपाध्यक्ष श्रीपाल सैनी (दिल्ली), श्रीमती चन्द्रकांता सैनी (राजस्थान), महासचिव रामनारायण चौहान (मध्यप्रदेश), कोषाध्यक्ष रामलाल कच्छावा (हिमाचल प्रदेश), कार्यकारिणी सदस्य संयज मालाकार (बिहार), जी.एल. सैनी (दिल्ली), दिनांक 16 अगस्त से 20 अगस्त तक पश्चिम उत्तरप्रदेश, उत्तराखण्ड, हरियाणा एवं हिमाचल प्रदेश में संस्थान की गतिविधियों से समाज को जोड़ने व आजीवन सदस्यता अभियान का प्रथम चरण प्रारंभ करेंगे। संस्थान के पदाधिकारी इसके बाद सम्पूर्ण भारत में समाज की मिटिंग लेगे। 2 माह में 10000 आजीवन बनाने का लक्ष्य को पूरा करने हेतु समाज के सभी जागरूक समाजसेवियों से अपील है।

महात्मा फूले सामाजिक शिक्षण संस्थान का स्टेट बैंक ऑ इण्डिया रोहिणी कोर्ट ब्रांच दिल्ली में आईएफएससी कोर्ड नं. ैठप्छध्0010323 के करंट एकाउन्ट नं. 32240494101 में आजीवन सदस्यता राशि रूपये 3000 रूपये किसी भी बैंक से जमा करवा सकते है। आजीवन सदस्य को बैंक में जमा राशि की काउन्टर स्लीप, वोटर कार्ड, ड्राइविंग लायसेंस, आयकर पेन कार्ड, आधार कार्ड की फोटो कापी अपना जीवन परिचय जिसमें पता, मोबाइल नं. ई मेल आईडी कीजानकारी भिजवाना है। ताकि दिल्ली कार्यालय से आपको पहचान पत्र जारी किया जा सके। संस्थान के अध्यक्ष शंकर राव लिंगे, महासचिव रामनारायण चौहान, कोषाध्यक्ष रामलाल कच्छावा ने उक्त जानकारी दी।

## जेएनवीयू चुनावों में मोहित सांखला महासचिव चुने गए

### राजस्थान के अन्य कॉलेजों में भी माली समाज के विद्यार्थियों ने बाजी मारी

जोधपुर। जेएनवीयू छात्रसंघ चुनावों में इस बार माली समाज के छात्र मोहित सांखला महासचिव पद पर विजयी श्री प्राप्त की है। इस प्रकार वाणिज्य संकाय के सचिव पद पर अंकित गहलोत, विज्ञान संकाय के उपाध्यक्ष पद पर जितेन्द्र चौहान ने जीत दर्ज की है।

इसके अलावा विभिन्न जेएनएल मेडिकल कॉलेज अजमेर के उपाध्यक्ष पद पर अखिल सैनी, विधि महाविद्यालय कोटा के अध्यक्ष पद पर प्रदीप सैनी, राजकीय मानपुरिया शास्त्री संस्कृत कॉलेज श्री माधोपुर के कमलेश कुमार सैनी उपाध्यक्ष बने। इसी प्रकार सिरोही पी.जी. कॉलेज माउण्ट आबू के संयुक्त सचिव डिम्पल गहलोत, माउण्ट आबू कॉलेज के महासचिव पद पर दिनेश माली कोटपुतली विवेकानन्द पीजी महिला महाविद्यालय के उपाध्यक्ष पद पर मीनू सैनी, कृष्णा महिला विद्यालय सांचौर के दीपा सैनी कोषाध्यक्ष पद पर निर्वाचत हुए। इसी तरह बीकानेर के एसएन कॉलेज से विनोद माली अध्यक्ष चुने गए। एनएसपी कॉलेज बीकानेर से रिंकू गहलोत संयुक्त महासचिव। राजकीय महाविद्यालय उनियारा से किरोडीलाल सैनी अध्यक्ष। एमबीआर कॉलेज ब्यावर से मनीष गहलोत उपाध्यक्ष, राजकीय महिला महाविद्यालय से प्रियंका सांखला महासचिव, राजकीय पीजी कॉलेज झालावाड़ से राहुल माली महासचिव एवं माधुरी सैनी संयुक्त सचिव, गर्ल्स कॉलेज चित्तौड़गढ से प्रियंका गहलोत उपाध्यक्ष बनी। मोतीलाल पीजी कॉलेज झुझुनू से जितेन्द्र सैनी अध्यक्ष बने। पोदार कॉलेज नवलगढ़ से सोहनलाल सैनी अध्यक्ष, खेतड़ी गर्वमेन्ट कॉलेज से नरेन्द्र सैनी अध्यक्ष, पण्डित उमादत गर्ल्स पीजी कॉलेज धौलपुर से मीनू कुशवाहा अध्यक्ष एवं विमलेश कोषाध्यक्ष बनी।

## युवा क्रांति से होगा सामाजिक कुरुतियों का दमन

नीम चौकी शहर सवाई माधोपुर में दिनांक 01 जुलाई को रात्रि 8.30 बजे पर आयोजित सैनी नवयुवक संस्था की बैठक में सामाजिक कुरूतियों विशेष मृत्युभोज, बाल विवाह, दहेज प्रथा, नशा वृति आदि का बहिष्कार करके समाज में जागृति लाने का संकल्प लिया गया। सैनी नवयुवक संस्था के अध्यक्ष कमलेश बारवाल ने सभी युवाओं से एकजुट होकर समाज में युवा क्रांति पर बल दिया।

उन्होंने कहा कि माली समाज का शिक्षा में आरक्षण का अलग से कोटा होना चाहिए। माली समाज आगामी 15 अक्टूबर को आयोजित होने वाली महात्मा ज्योति बा फूले युवा महासभा द्वारा आरक्षण की लड़ाई की घोषणा करेगा। अभी रणनीति बनाई जा रही है।

बारवाल ने कहा क आरक्षण भारतीय संविधान द्वारा दी गई सुविधा है जिस पर केलव उन लोगों का हक है जो आर्थिक दृष्टि से पिछड़े हुए है। जिनको सदियों से सम्पन्न वर्गो के लोगों ने किास की राह से बेदखल किया है। सरकार को माली समाज को आरक्षण मिले, इसकी पहल करनी चाहिए।

माननीय मुख्यमंत्री अशोक गहलोत नको भी ई मेल के जरिये इसकी जानकारी दे दी गई है। संस्था अध्यक्ष ने समाज के पंच पटेलों, युवाओं, महिला कार्यकर्ताटों सभी से आर पार की लड़ाई में सहयोग करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि यदि हम हमारी आने वाली पीढ़ी का भविष्य उज्जवल बनाना चाहते है तो हमें इस लड़ाई में एकजुट होकर संघर्ष करना होगा।

# पिछडा एवं माली समाज के कर्मयोगी :
# श्रीरामजी महाजन

९ाजापुर। श्री रामजी महाजन का जन्म मध्यप्रदेश के बैतुल जिले के ग्राम प्रभात पट्टन के माली जाति के सामान्य परिवार में दिनांक 14 सितम्बर 1931 को हुआ था। इनका विवाह 16 वर्ष की आयु में जयवंति बाई से हो गया था। इन्होंने वर्ष 1953 में इंटर की परीक्षा पास करने के बाद महात्मा ज्योतिबा फूले के विचारों एवं आदर्शो को अपने जीवन का लक्ष्य बनाकर सार्वजनिक क्षेत्र में प्रवेश किया। स्वतंत्रता के बाद देश में अनेक समूहों में बिखरे स्वजातिय भाईयों को एक मंच पर लाने के उद्देश्य से उन्होंने वर्ष 1955 में जिला बैतूल के ग्राम अमरावती घाट में प्रथम माली सम्मेलन का आयोजन का समाज बंधुओं ने चेतना एवं जाग्रति का बीजारोपण किया। इस सफल सम्मेलन के बाद ही वर्ष 1956 में जिला बैतूल के ही ग्राम मांडली में द्वितीय माली सम्मेलन का सफल आयोजन किया।

सामाजिक सक्रियता व लोगों के दु:ख दर्द में सदा सहभागी रहने वाले श्री रामजी महाजन वर्ष 1957 में प्रथम बार अपने पैतृक गांव प्रभात पट्टन में पंच के पद पर चुने गए। यही उनके राजनीति में प्रवेश की पहली जीत थी। वर्ष 1958 में अपने गृह गांव प्रभात पटटन (बैतूल) में तीसरी बार अखिल भारतीय माली सममेलन का सफल आयोजन किया। इस सम्मेलन में मध्यप्रदेश के अतिरिक्त उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, बिहार एवं आन्ध्रप्रदेश आदि राज्यों के स्वजातिय बंधुओं ने भाग लिया था। इस सम्मेलन की सफलता एवं जनसमर्थन से उत्साहित होकर श्रीरामजी महाजन ने प्रदेश एवं देश का सघन भ्रमण एवं जनसम्पर्क प्रारंभ किया। जिससे आपको समाज में वयाप्त कुरूतियों, कुप्रथाओं एवं समाज बंधुओं के रहन सहन एवं विचारों की जानकारियां प्राप्त हुई। श्री रामजी महाजन ने यह अनुभव किया कि शासन प्रशासन में समाज के सभी वर्गो की समुचित भागीदारी न होने से सामाजिक असंतुलन की स्थिति बनी हुई थी। देश के प्रमुख सामाजिक बंधुओं से चर्चा में आपने यह पाया कि बहुसंख्यक समाज के पिछड़ेपन का मुख्य कारण उनका विभिन्न समूहों में बंटा होना है।

श्रीरामजी महाजन ने देश के मुम्बई, पुणे, नागपुर, हैदराबाद, दिल्ली, मेरठ, सहारनपुर, गाजियाबाद, जयपुर एवं मध्यप्रदेश के इन्दौर, भोपाल, सतना, ग्वालियर, जबलपुर आदि नगरों के परिचित साथियों के माध्यम से स्वजातिय भाईयों के सम्मेलन के आयोजन की श्रृंखला प्रारंभ कर अलग अलग समूहों में विभाजित समाजों को एक मंच पर आने के लिए प्रेरित किया एवं समाज की कुरूतियां दूर करने का प्रयास किया। समाज में व्याप्त हो रही जागरूकता एवं प्राप्त हो रहे सामाजिक समर्थन के परिणाम के फलस्वरूप श्रीरामजी महाजन ने अपने साथियों के साि 18 अगस्त 1970 में मध्यप्रदेश क्षत्रियमाली समाज पंजीकृत कर गठन किया तथा इस संस्था के आजीवन अध्यक्ष रहे। वर्ष 1970 में श्रीरामजी हाजन अपने गृह ग्राम प्रभातपट्टन में तीसरी बार पंच, फिर उपसरपंच तथा जनपद पंचायत प्रभात पट्टन के अध्यक्ष निर्वाचित हुए। फिर वर्ष 1972 में प्रचण्ड बहुमत से प्रथमबार विधानसभा के लिए चुने गए। सामाजिक एकता के प्रयास को आगे बढ़ाते हुए दिसम्बर 1974 को भोपाल में माली समाज का अखिल भारतीय अधिवेशन आयोजित किया।

श्रीरामजी महाजन अपनी परिश्रमी एवं सौभ्य छवि के कारण वर्ष 1977 में दोबार विधायक निर्वाचित हुए। क्षैत्रिय विकास करने, ईमानदार व परिश्रमी होने के कारण श्री महाजन वर्ष 1980 में पुन: तीसरी बार विधायक निर्वाचित हुए। तब तत्कालीन मुख्यमंत्री स्व. श्री अर्जुनसिंह ने आपको पिछडे वर्गो की पहचान करने व पिछड़े वर्गो के कल्याण के लिए कल्याणकारी योजनाओं की सिफारिश करने के लिए मंत्री दर्जे के साथ पिछडा वर्ग आयोग के अध्यक्ष की चुनौतीपूर्ण जवाबदारी सौपी। श्रीरामजी महाजन ने इस चुनौती को स्वीकारते हुए बस्तर से लेकर झाबुआ, सरगुजा से लेकर मंदसौर तक सम्पूर्ण पिछड़ी जातियों को चिन्हित किया। लगभग तीस वर्षो के अथक प्रयास से दिसम्बर 1983 को पिछडा वर्ग आयोग महाजन आयोग का ऐतिहासिक अंतिम प्रतिवदेन मुख्यमंत्री को सौंपा। जिसमें पिछड़े वर्गो की संवैधानिक स्थिति को

स्पष्ट करते हुए अन्य राज्यों में पिछडे वर्गों को मिलने वाली सुविधाओं के तथ्यात्मक एवं विस्तृत विवरण के साथ मध्यप्रदेश में पिछड़े वर्ग के सामाजिक, शैक्षणिक एवं आर्थिक विकास हेतु 52 अनुशंसाओं का समावेश था। इस प्रतिवेदन के आधार पर मध्यप्रदेश की 87 जातियों का शालेय छात्रवृति, नौकरी में आरक्षण, पंचायत एवं सहकारी चुनावों में भागीदारी आदि के लाभ के मार्ग प्रशस्त हुए।

श्रीरामजी महाजन 1985 में विधानसभा के लिए चौथी बार निर्वाचित होकर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के राज्यमंत्री / स्वतंत्र प्रभार बने। वर्ष 1989 में जेल, धार्मिक, न्यास एवं धर्मस्व विभाग के मंत्री बने। नवम्बर 1993 में विधानसभा के लिए पांचवी बार निर्वाचित हुए और जेल, श्रम पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के कैबिनेट मंत्री बने। इसी दौरान श्रीरामजी महाजन को मध्यप्रदेश विधानसभा के वरिष्ठतम विधायक की श्रेणी में आने पर विधानश्री की उपाधि से अलंकृत किया गया।

श्रीरामजी महाजन ने प्राथमिक शाला ग्राम गोधनी के लिए वर्ष 1986 एवं वर्ष 1993 में अपनी भूमि दान में दी, एवं जवाहर नवोदय विद्यालय प्रभातपट्टन के लिए 20 एकड़ की भूमि दान में देकर अनुकरणीय उदाहरण पेश किया।

श्रीरामजी महाजन की राजनैतिक एवं सामाजिक यात्रा ग्राम पंचायत के पंच से प्रारंभ होकर 23 वर्षो तक विधायक, मध्यप्रदेश पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष एवं 7 वर्षो तक शासन के अनेक विभागों में मंत्री रहने के बाद 14 अगस्त 1999 को देवलोकगमन के साथ समाप्त हुई। श्रीरामजी महाजन द्वारा समाज के पिछड़े वर्गो के लिए किये गए कार्य एवं आदर्शो के लिए युगो-युगो तक याद किये जाते रहेंगे।

# मुख्यमंत्री को रक्षाबंधन पर 21 फीट की आकर्षक राखी भेंट

जयपुर। मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत को रक्षा बंध्न के पर्व पर मुख्यमंत्री निवास पर 21 फीट की आकर्षक राखी भेंट की गई। इस खुबसूरत राखी को तैयार करने में वेलवेट एवं साटन के कपड़े के साथ स्पंज का भी इस्तेमाल किया गया। चार अलग अलग हिस्सों को जोड़कर बनाई गई इस राखी के चारों गोल हिस्सों के किनारों पर गोटे का कार्य किया हुआ है।

बीच के हिस्से में बालकृष्ण का चित्र लगाया गया है तथा राखी को आकर्षक बनाने के लिए सलमा सितारों का प्रयोग भी किया है। श्री गहलोत ने इसे अच्छा प्रयास बताते हुए राखी की सुन्दरता की तारीफ की। यह राखी जोधपुर के प्रतापनगर क्षेत्र में रहने वाले सूरजमल पंवार एवं उनके परिवार ने मिलकर तैयार की है।

मुख्यमंत्री ने इसे अच्छ प्रयास बताते हुए राखी तैयार करने की प्रेरणा कहां से मिली तो उन्होंने बताया कि आपके नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा लागू किये गए जन कल्याणकारी कार्यक्रमों एवं योजनओं को देखकर मेरे मन में आपको यह अनूठी राखे भेंट करने की भावना आई। उन्होंने बताया कि यह राखी उनकी पत्नी श्रीमती मुन्नीदेवी एवं उनकी तीन बेटियों श्रीमती सरोज, श्रीमती सुमन एवं सुश्री संजन ने मिलकर करीब एक महिने की कड़ी मेहनत से घर पर ही तैयार की।

रक्षाबंधन के पर्व पर श्री गहलोत की कलाई पर महिलाओं एवं स्कूली बालिकाओं ने राखी बांधी। मुख्यमंत्री ने बालिकाओं को आशीर्वाद दिया तथा सभी के सुख एवं समृद्धि की मंगल कामना की।

मुख्यमंत्री निवास पर प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की जयपुर जोन हेड ब्रह्मकुमारी सुषमा बहन एवं डिप्टी हेड ब्रह्म कुमारी चन्द्रकला बहन ने राखी बांधकर मुंह मीठा करवाया। श्रीमती इंदुबाला आर्य, चूरू से आई श्रीमती संतोष मासूम, आगरा रोड पालडी मीणा जयपुर से आई श्रीमती नब्बोदेवी एवं श्रीमती कमला ने मुख्यमंत्री को राखी बांधी। कमाण्डो सेन्ट्रल स्कूल, झोटवाडा में पढ़ने वाली पांच वर्षीय प्रतिष्ठा शर्मा तथा एसओएस चिल्ड्रन्स विलेज से आई निराश्रित बच्चियों ने भी मुख्यमंत्री को राखी बांधी।

## खरी-खरी

# भावी पीढ़ी हमारे 'हमारे सोशियल मैनेजमेंट' के लिए मानेगी हमें फिसड्डी ?

## संदर्भः माली संस्थान जोधपुर के नौ वर्षो का कार्यकाल

**सामाजिक पत्रकार का दायित्व निभाना निःसन्देह तलवार की धार पर चलने के समान है। ऐसे दायित्वों को निभाते वक्त हमें अपनी नजर पैनी, कान खुले, दिल भावनाओं से मुक्त, आंखो देखी-कानों सुनी पर विश्वास करना, लिखे हुए कागज को सर्वाधिक अहमियत देना, आपसी व्यक्तिगत संबंधों को नजर अंदाज करना और समाज विकास के लिए खरी-खरी बात अपनी लेखनी के माध्यम से समाज के सामने प्रस्तुत करना होता है। लिहाजा हम जो इस लेख के माध्यम से आगाह करने जा रहे है वह एक कड़वी सच्चाई है। जिस पर केवल हमें ही नहीं बल्कि समाज के प्रबुद्ध वर्ग को आपसी वैचारिक भेदभाव व निजी स्वार्थो की बलि देते हुए समाज हित में कड़े कदम उठाने पड़ेगे ताकि आने वाली भावी पीढी हमें हमारे 'सोशियल मैनेजमेंट' के लिए हमें फिसड्डी नहीं मान बैठे।**

समाज परिवारों के समूह का नाम है। जिसमें एक ही जाति की विभिन्न उपजातियों के परिवार मिलकर समाज का निर्माण करते है। उनमें आपसी सामंजस्य अपने आप ही बन जाता है। रिश्तों के निर्माण की माला दिन-प्रतिदिन बढ़ती जाती है। समाज विकास के लिए सामाजिक संस्थाओं का गठन और उनके विकास के लिए समाज का योगदान जरूरी होता है। संस्थाओं का कार्य पूर्णतः समाज हित में और व्यक्तिगत हितों को नजर अंदाज करके होता है तभी वह संस्था समाज के विकास का मार्ग प्रशस्त करती है।

ठीक इसी तरह माली समाज के लिए भी पूरे देश और राज्य में विभिन्न स्तरों पर अलग अलग नामों से दर्जनों संस्थाएं कार्य कर रही है। अपने जोधपुर शहर में भी पिछले गत 41 वर्षो से माली संस्थान समाज के विकास का बीड़ा उठाए हुए है। संस्थान के कार्यक्रम समाज हित में होने चाहिए और समाज का प्रत्येक वर्ग प्रत्येक व्यक्ति उसके लिए महत्वपूर्ण होना चाहिए।

संस्थान द्वारा पिछले वर्षो में किये गए कार्यो पर अगर हम दृष्टिपात करे, निःश्चल भाव से उनकी समीक्षा करे व उनके कार्यकलापों से समाज के विकास का अनुपात तोले तो हमें यथास्थिति स्पष्ट होते देर नहीं लगेगी। हमें स्वयमेव ही यह समझ में आ जायेगा कि माली संस्थान द्वारा पिछले नौ वर्षो से कितने कार्यक्रमों का आयोजन समाज हित में हुआ है और उनके प्रचार-प्रसार का क्या तरीका रहा है तथा उनसे समाज विकास या सामाजिक एकता का कितना वर्चस्व बढ़ा है।

माली संस्थान जोधपुर में गत नौ वर्षो से कार्यकारिणी में नाम मात्र का फेरबदल होता है। जरा सोचिए कि चन्द तथाकथित व्यक्तियों की महत्वाकांक्षा व कुर्सी से 'फेविकोल का मजबूत जोड़' की भावना समाज को विकासधारा से जोड़ेगी या पतन के गर्क में ले जायेगी। इतिहास गवाह है कि जब भी 'अहं' के साथ व्यक्ति कुर्सी पर काबिज हुआ है तब तब वह कुर्सी ही नहीं बल्कि उस व्यक्ति के साथ साथ उसने विकासधारा को भी पतन के रसातल में पहुंचाया है।

हम बात कर रहे है संस्थान के कार्यक्रमों की व कार्यकलापों की। कार्यक्रम के नाम पर संस्थान द्वारा पिछले नौ वर्षो से मात्र एक सालाना कार्यक्रम में प्रतिभा सम्मान समारोह करवाया जाता रहा है। कुल मिलाकर नौ कार्यक्रम, तीन सामूहिक विवाह, दो या तीन बार निर्वाचन प्रक्रिया और एकाध कार्यक्रम को और भी जोड़ दे तो भी 'हाथ' (जोड़ का हासिल) कुछ नहीं आ रहा है।

जोधपुर संभाग स्तर पर समाज हित में कार्य करने वाला माली संस्थान अपने क्राइट एरिया को भूलकर संकुचित दायरे में आ सिमटा है। संभाग लम्बा चौड़ा है, उसमें हजारों ढाणियां-गांव व सैकड़ों शहर है जिनमें हमारे समाज बंधु निवास करते है। वहां के सैकड़ों सदस्य संस्थान की निर्वाचन प्रक्रिया में भाग लेते है। मगर यह हमारा दुर्भाग्य ही है कि हम और वे सभी सदस्य इस बात को या तो जानते नहीं कि संस्थान उनके क्षेत्र में समाज कल्याण के कार्य करने के लिए है या नहीं।

बातें लम्बी चौड़ी और भाषण लच्छेदार यह तो हमें लगता है कि 'ऊंची दुकान फीके पकवान' वाली कहावत को चरितार्थ करता है। मात्र भाषणों से न तो कभी समाज का भला हुआ है और न ही होगा। यह शाश्वत सत्य है। मगर यह कैसी जिद कि शाश्वत सत्य से दो दो हाथ करने के लिए तथाकथित पदाधिकारी तैयार है मगर अपने में बदलाव लाने या फिर युवा पीढ़ी को मौका देने के लिए कतई नहीं।

युवा पीढ़ी को जब तक मौका नहीं मिलेगा या फिर जब तक संस्थान अध्यक्ष पद पर सच्चा समाज हितैषी नया चेहरा आसीन नहीं होगा तब तक समाज विकास की बाते करना बेमानी सा लगता है। हमने समाज के इस दायित्व को पूरा करने के लिए कई बार प्रयास किये है और करते रहेगें। हमने इसी पत्रिका के मंच से संस्थान से कई बार विभिन्न मांगे प्रस्तुत की मगर एक पर भी जवाब नहीं आया या उन पर अमल नहीं हुआ।

माली संस्थान के अध्यक्ष महोदय व अन्य पदाधिकारी मेरी इस लेखनी को अन्यथा में न लेते हुए इस पर गंभीर विचार-मंथन करे और सोचे कि किस तरह हम कार्य करे ताकि आने वाली भावी पीढी हमें हमारे 'सोशियल मैनेजमेंट' के लिए हमें फिसड्डी नहीं मान बैठे।

# माली सैनी समाज में लगने वाले गोत्र (उपनाम)

**स्वजातिय बन्धुओं के लिए अलग-अलग राज्यों राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली, उत्तरप्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र से गोत्र संकलन करके लिखे गए है जो कि अपने माली (सैनी) समाज से सम्बन्ध व रिश्तों में जुड़े हुए है।**

➡ **माली (सैनी) समाज में लगने वाले गोत्र (उपनाम) की संख्या 596 जो ज्ञात है**

➡ माली (सैनी) समाज परिवारों में गोत्र (उपनाम) में इनके नख्चा (खाप) है।

- ✸ 66 गोत्र के साथ चौहान लगाते है।
- ✸ 11 गोत्र के साथ टांक लगाते है
- ✸ 10 नख (खाप) महावर गोत्र में लगते है।
- ✸ 7 नख (खाप) भाटी गोत्र में लगते है।
- ✸ 5 नख (खाप) जादम गोत्र में लगते है।
- ✸ 5 नख (खाप) गेहलोत गोत्र में लगते है।
- ✸ 5 नख (खाप) तंवर गोत्र में लगते है।
- ✸ 4 नख (खाप) गेहलोत गोत्र में लगते है।3
- ✸ 4 नख (खाप) कच्छावा गोत्र में लगते है।
- ✸ 3 नख (खाप) सोलंकी गोत्र में लगते है।

यह विवरण गोत्र (उपनाम) की सूची में नख (खाप) प्रकाशित है कृपया सूची देखें।

| क्र.सं. | गोत्र (उपनाम) | क्र.सं. | गोत्र (उपनाम) | क्र.सं. | गोत्र (उपनाम) | क्र.सं. | गोत्र (उपनाम) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 210 | बन्दीया | 236 | चूके | 262 | देलवी | 288 | गुणदईया |
| 211 | बारोड | 237 | चावड़ा | 263 | दोसरिया | 289 | गंडरालिया |
| 212 | बिलोनिया | 238 | छोडखोदा (चौहान) | 264 | दुधाना | 290 | गडराल्या |
| 213 | बरखेडिया | 239 | छुलीवाल | 265 | धनोरिया | 291 | गरणिया |
| 214 | बनेरिया | 240 | छारेड़ा | 266 | धरावनिया | 292 | गजावत |
| 215 | बडरिया | 241 | छुरेलिया | 267 | धनोडीया | 293 | गजावत |
| 216 | बागडिया | 242 | छरडिता | 268 | धुवल्या | 294 | गगेरीवाल |
| 217 | बागडडिया | 243 | डिण्डोनिया | 269 | धनोते | 295 | गुरघैया |
| 218 | बीजंवा | 244 | डिगोलिया | 270 | धारीवार | 296 | गुणदिया |
| 219 | बहोनिया | 245 | डोडिया | 271 | धुवारिया (चौहान) | 297 | गमेरिया |
| 220 | बाहेश्वर | 246 | डलवाल्य | 272 | ढीपरीया | 298 | गहलोत (पिपाड़ा) |
| 221 | बिसेन | 247 | डीबरिया | 273 | ढोणे चतारे | 299 | गहलोत (कुचेरा) |
| 222 | बाघेला | 248 | डुबलधनी | 274 | ढवले | 300 | गोयल |
| 223 | बोडाना | 249 | डोतडोलिया | 275 | इकदाई (मावर) | 301 | गुदैया |
| 224 | बनाशा | 250 | दईया | 276 | इन्दूपिया | 302 | गोलीमार (चौहान) |
| 225 | चाँवला | 251 | दुआरिया | 277 | इन्दोरिया (चौहान) | 303 | गोला |
| 226 | चूलीवाल | 252 | दरिया | 278 | इकघैया | 304 | गोलवाल |
| 227 | चन्देल | 253 | दोलाशिया | 279 | इन्दोरिया (तंवर) | 305 | गुहिलोत |
| 228 | चोबदार | 254 | दुबलदया | 280 | इगले | 306 | गोहिल |
| 229 | चूनीवाल | 255 | देडे | 281 | फातरिया | 307 | गुर्जर |
| 230 | चिडीमार (चौहान) | 256 | दातल्यां | 282 | फूलाका (मावर) | 308 | गोरा (चौहान) |
| 231 | चुडीवाल | 257 | दथेदबा | 283 | फूलमाली | 309 | गिरजी |
| 232 | चालुक्य | 258 | दातो | 284 | फसारे | 310 | गढवशी |
| 233 | चापोत्कर (चवड़ा) | 259 | दातडोलिया | 285 | फूंलेरिया | 311 | गोल्ड |
| 234 | चाहमान (चौहान) | 260 | दुबलदा | 286 | फुलोथिया | 312 | गायगवाड़ |
| 235 | चौधरी | 261 | दयाल | 287 | गौड | 313 | गुंदिया |

शेष अगले अंक में....

### श्री पन्नालाल धोलस्या भीलवाड़ा अध्यक्ष नियुक्त

# भीलवाड़ा माली जिला कार्यकारिणी गठित

युवा महासभा भोई माली समाज सेवा संस्थान, भीलवाड़ा समारोह में उपस्थित अतिथिगण

पन्नालाल धोलस्या
(भीलवाड़ा अध्यक्ष)

भैरूलाल धरवाणियां
(शाहपुरा अध्यक्ष)

जीवराज टाक
(बदनोर अध्यक्ष)

नारायण लाल
(मांडलगढ़ अध्यक्ष)

भीलवाड़ा। जिले की शाहपुरा तहसील में धनोप माता के प्रसिद्ध धार्मिक सील पर भीलवाड़ा जिला कार्यकारिणी गठन समारोह आयोजित हुआ। समारोह की अध्यक्षता युवा महासभा माली समाज सेवा संस्थान के प्रदेश अध्यक्ष श्री भंवरलाल जी धोलस्या ने की। मुख्य अतिथि श्री धानेश्वर विकास सेवा समिति के अध्यक्ष श्री मोहनलाल थे, समारोह के विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रदेश सचिव श्री भगवानलाल हिण्डोलिया, प्रदेश कोषाध्यक्ष श्री मदनलाल धरावणीयां, प्रदेश मंत्री श्री गोपाल लाल टाक, वेबसाइट सम्पादक मुकेश जेलिया आदि मंचासिन थे।

कार्यक्रम की शुरूआत सरस्वती वंदना एवं भगवान शिव के माल्यार्पण एवं पुष्पभेंट से हुई। लगभग 700 समाज के विभिन्न वर्गो के लोगों ने कार्यक्रम में भाग लिया तथा जिला अध्यक्ष श्री देवीलाल बलाड़िया द्वारा सभी मंचासीन अतिथियों का माल्यार्पण एवं साफा बंधवाकर हार्दिक अभिनंदन किया गया।

प्रदेशाध्यक्ष श्री भंवरलाल ने समाज में व्याप्त कुरूतियों को दूर करने, सामाजिक जागरूकता, शिक्षा एवं सामाजिक एकता पर जोर देते हुए दिनांक 29 सितम्बर, 2012 को मन्दना माली के जन्मदिवस अंन्नत चर्तुदशी को सारे माली समाज में धूमधाम से मनाने का आह्वान किया।

इसके साथ ही भीलवाड़ा जिला अध्यक्ष ने कार्यकारिणी की घोषणा कर सभी पदाधिकारियों को स्मृतिचिन्ह एवं नियुक्ति पत्र प्रदान कर समाज सेवा के लिए हमेशा तत्पर रहने का आह्वान किया एवं जिला कार्यकारिणी में संरक्षक श्री शिवराज धरवाणिया(धनोप), सचिव श्री उदयलाल अजमेरा(पुर), कोषाध्यक्ष श्री शंकरलाल डामरियां, महामंत्री श्री कालू(नदराय), उपाध्यक्ष श्री हीरालाल सुगलियां(पुर), श्री महादेव तलाईच(हुरडा), श्री नारायण असावरा(मांडल), श्री दीप इणियां( गीवार), सलाहकार श्री नंदलाल खुर्रिया(बरूदनी), प्रचार प्रसार मंत्री श्री भोलाराम टाक(पांसल), मंत्री श्री श्रीराम खर्टिया (पालीखेड़ा), सहसचिव श्री मोहन रिच्छया(फूलियांकला), सहसंगठन मंत्री श्री भंवरलाल परोल्या (मरड़ाकी गोपड़िया)।

सह प्रचार प्रसार मंत्री श्री बाबूलाल टाक ( बदनोर), भीलवाड़ा शहर अध्यक्ष श्री पन्नालाल धोल्सया(भीलवाड़ा), शाहपुरा तहसील अध्यक्ष श्री भैरूलाल धरावणियां (धनाय), माडंलगढ तहसील अध्यक्ष श्री नारायण खुर्रिया(माडलगढ़), बदनोर तहसील अध्यक्ष श्री जीवराज टाक (बदनोर) को मनोनीत कर नियुक्ति पत्र प्रदान किये गये तथा सभी का माला एवं साफा पहनाकर अभिनंदन किया गया। तत्पश्चात कार्यक्रम अध्यक्ष श्री भंवरलाल धोलस्या ने कार्यक्रम में पधारें सभी समाज बन्धुओं को धन्यवाद देकर कार्यक्रम की समाप्ति की घोषणा की।

## स्वास्थ्य

# प्रातःकालीन भ्रमण एवं मानव

आदि काल से प्रकृति एवं प्राणियों का अभिन्न संबंध रहा है। वे एक दूसरे पर आश्रित है। एक के बिना दूसरा अपूर्ण है। यह सर्वविदित है कि प्राणियों द्वारा छोडी गई कार्बन डाई ऑक्साईड पर पेड़ पोधे एवं वनस्पतियां जीवित है तथा पेड पौधों द्वारा छोडी गई ऑक्सीजन पर प्राणीमात्र जीवित है। परस्पर आदान प्रदान पर दोनों का जीवन निर्भर है। कल–कारखानों की गन्दगी व असंख्य वाहनों के आवागमन से वायु प्रदूषण में वृद्धि होती जा रही है, गुणों पर पड़ा है। ध्वनि प्रसारण एवं दूरदर्शन, श्रवण–दर्शन से मानव जाति की इन्द्रियां कान, आँख, नाक व मन पर कुप्रभाव ही नहीं पड़ा अपितु इससे नैतिक चरित्र का भी हनन हुआ है। इन मूल बातों को और ध्यान देकर मानव जीवन के अस्तित्व को कायम रखने हेतु 'प्रकृति की ओर लौटने' के सिद्धान्त को अपनाना होगा जिससे सामान्य स्थिति कायम रह सके।

**व्यायाम क्यों?-**

1 आज का युग पहले की अपेक्षा मशीन पर अधिक आधारित हो जाने से, मानव आवश्यक शारीरिक श्रम नहीं कर पाता है, क्योंकि काम के दौरान शारीरिक शक्ति का व्यय नहीं होता है, इसलिए मानव के स्वस्थ रहने के लिये काम के सिवाय भी व्यायाम करना जरूरी है, जिसमें शक्ति व्यय हो।

2. हम जो भी भोजन करते हैं, उसका एक हिस्सा हमारे शरीर की टूट फूट सुधारने के काम आता है, जो शक्ति में परिवर्तित हो जाता है, पर जो भोजन अधिक होता है वह पूरे शरी में विशेष तौर पर रक्त ले जाने वाली धमनियों में जमा हो जाता है व समय पड़ने पर रक्त का संचार रोक देता है, फलस्वरूप हृदय कमजोर होकर दौरा पड़ने का भय बना रहता है, अतएव भोजन का जो अतिरिक्त भाग है, उसे व्यायाम द्वारा खर्च करना आवश्यक है।

**व्यायाम कैसे?** जिस व्यायाम में मानसिक तनाव न्यूनातिन्यून हो सर्वोतम व्यायाम है। प्रतियोगितात्मक व्यायाम जैसे टेनिस, बेडमिंटन आदि से व्यायाम तो होता है पर प्रतियोगिता में 'एन्ड्रीलिन' बढ़ता है, जो दिल पर भारी प्रभाव डालता है। अतः प्रातः व शुद्ध शीतल वायु में घूमना, जबकि वायु में ऑक्सीजन मात्रा सर्वाधिक होती है, हर प्रकार से उत्तम है। यह भ्रमण एक आदर्श व्यायाम है क्योंकि यह शरीर की अनावश्यक ऊर्जा को खर्च करता है व मस्तिष्क को शांत प्रदान करता है। यह हृदय रोग को कम करने का सर्वोत्तम उपाय है। मनीषियों का मत है कि :–

**''प्रातःकाल की वायु को सेवत करत सुजान,**

**ताके मुख छवि बढ़त है, बुद्धि होत बलवान''।।**

**भ्रमण कैसा हो?** क्विंसलेण्ड यूनिवर्सिटी द्वारा किए गए एक शोध के अनुसार भ्रमण स्वास्थ्य के लिए बहुत ही लाभप्रद है पर अगर चलने के साथ आप बातें कर रहे है तो आपको लाभ के स्थान पर नुकसान हो सकता है। दी ऑस्ट्रेलियन न्यूरो साईन्स सोसायटी की मीटिंग में प्रस्तुत इस शोध के विशेषज्ञों के अनुसार इससे पेट की मांसपेशियां और रीढ़ की स्थिरता भी प्रभावित होती है। हमारे पूर्वजों की भी मान्यता है कि ''अबोले टहलने मे आनन्द अपार है, सामूहिक टहलने में शारीरिक बेगार है।''

प्रातःकालीन भ्रमण मात्र भ्रमण ही नहीं, चिन्तन मनन का सर्वाधिक उपयुक्त समय है। कृपया नित्य टहल कर कुछ क्षण दौड़कर, जीवेद शरदः शतम् (सौ वर्ष जीयें) के वाक्य को ही नहीं, जीवन को भी सार्थक करें।

# माली सैनी संदेश मेरिज ब्युरो

माली समाज में पारस्परिक रिश्तें कायम करने के लिए विवाह योग्य युवक युवती का रजिस्ट्रेशन(पंजीयन)नि:शुल्क किया जाता है। पत्रिका ऐसे सभी योग्य वर/ वधू का पंजियन कर उनका विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित करेगा इस हेतु लड़की की न्यूनत्तम आयु 18 वर्ष व लड़के की न्यूनत्तम आयु 21 वर्ष होना आवश्यक है। पत्रिका की ओर से वर्ष में एक बार परिचय सम्मेलन का भी आयोजन किया जायेगा। संभावित रिश्ते वाले दोनों पक्षों को सूचित कर रिश्तें कायम करने का हर संभव प्रयास किया जायेगा।

## युवक-युवती व्यक्तिगत विवरण

नवीनतम फोटो

क्रम संख्या..... दिनांक .....

1. युवक/युवती का नाम.....गौत्र .....
2. युवक/युवती कार्यरत है, व्यवसाय का नाम व पता.....

.....

.....फोन नम्बर.....मोबाईल नम्बर.....वार्षिक आय.....

3. शैक्षिक योग्यता .....विशेष योग्यता.....
3. जन्म तिथि..... ऊँचाई.....से. मी. वजन..... किलो
4. शारीरिक रंग : गोरा/गेंहुआ/श्याम.....चश्में का प्रयोग : हा/ नहीं..... मांगलिक है या नहीं.....
3. अन्य जानकारी जो आप देना आवश्यक समझें.....

.....

**3. पारिवारिक विवरण**

पिता का नाम.....माता का नाम.....

माता/पिता का निवास स्थान.....

.....फोन नम्बर.....मोबाईल नम्बर.....

माता/पिता व्यवसायिक पता.....

.....फोन नम्बर.....मोबाईल नम्बर.....

वार्षिक आय.....मकान निजी/किराये का.....

भाई-बहनों की संख्या..... विवाहित :भाई..... बहिन..... अविवाहित :भाई.....बहिन.....

**4. ननिहाल पक्ष विवरण**

नाना /मामा का नाम व पूरा पता.....

.....

.....फोन नम्बर.....मोबाईल नम्बर.....

**हस्ताक्षर अभिभावक** दिनांक ..... **हस्ताक्षर युवक/ युवती**

भेजे : **माली सैनी संदेश**, पोस्ट बाक्स नं. 09, जोधपुर या फिर ई-मेल करें : **malisainisandesh@gmail.com; www.malisainisandesh.com**

# माली सैनी सन्देश के आजीवन सदस्य सूची

श्री रामचन्द्र सोलंकी पुत्र श्री गोविन्दराम सोलंकी, जोधपुर
श्री नरेश गेहलोत पुत्र स्व. श्री बलदेवसिंहजी जोधपुर
श्री प्रभाकर टाक (पूर्व अध्यक्ष नगर पालिका) पीपाड़ शहर
श्रीबाबूलाल टाक (पूर्व अध्यक्ष नगर पालिका) पीपाड़ शहर
श्री बंशीलाल मारोठिया पीपाड़ शहर
श्री बाबूलाल गेहलोत पुत्र श्री दयाराम जोधपुर
श्री सोहनलाल देवड़ा पुत्र श्री हापुराम देवड़ा मथानियां
श्री अमृतलाल परिहार पुत्र श्री ब्रह्मसिंह परिहार जोधपुर
श्री भोमाराम पंवार (उपाध्यक्ष नगर पालिका) बालोतरा
श्री रमेश कुमार पुत्र श्री शंकरलाल गहलोत बालोतरा
श्री लक्ष्मीचन्द सुंदेशा पुत्र श्री मोहनलाल सुंदेशा बालोतरा
श्री वासुदेव गहलोत पुत्र श्री बाबूलाल गहलोत बालोतरा
श्री महेश बी. चौहान पुत्र श्री भगवानदास चौहान बालोतरा
श्री हेमाराम माली पुत्र श्री रूपाराम पंवार बालोतरा
श्री सुरेश कुमार पुत्र श्री हरिराम पंवार बालोतरा
श्री छगनलाल गहलोत पुत्र श्री मिश्रीलाल गहलोत बालोतरा
श्री सोनाराम सुंदेशा पुत्र श्री पूनम सुंदेशा बालोतरा
श्री सुजाराम सुंदेशा पुत्र श्री देवाराम सुंदेशा बालोतरा
श्री नरेन्द्र कुमार पंवार पुत्र श्री अणदाराम पंवार बालोतरा
श्री शंकरलाल (पार्षद) पुत्र श्री मिश्रीमल परिहार बालोतरा
श्री घेवरचंद पंवार पुत्र श्री भोमजी पंवार बालोतरा
श्री रामकरण माली पुत्र श्री किसनाराम माली बालोतरा
श्री रतन परिहार पुत्र श्री देवजी परिहार बालोतरा
श्री कैलाश काबली (अध्यक्ष माली समाज) पाली
श्री घीसाराम देवड़ा (मंडल महामंत्री भाजपा) भोपालगढ़
श्री शेषाराम श्यामलाल टाक पीपाड़ शहर
श्री बाबूलाल माली (सरपंच महिलावास) सिवाणा
श्री रमेश कुमार सांखला सिवाणा
श्री श्रवणलाल कच्छवाह, लवेरा बावड़ी
संत हजारीलाल गहलोत जैतारण
श्री मदनलाल गहलोत जैतारण
श्री राजूराम सोलंकी जालोर
श्री जितेन्द्र जालोरी जालोर
श्री देविन लच्छाजी परिहार डीसा
श्री हितेश भाई मोहन भाई पंवार डीसा
श्री प्रकाश भाई नाथालाल सोलंकी डीसा
श्री मगनलाल गीगा जी पंवार डीसा
श्री कांतिभाई गलबाराम सुंदेशा डीसा
श्री नवीनचन्द दलाजी गहलोत डीसा
श्री शिवाजी सोनाजी परमार डीसा
श्री पोपटलाल चमनाजी कच्छवाह डीसा
श्री भोगीलाल डायाभाई परिहार डीसा
श्री मुकेश ईश्वरलाल देवड़ा डीसा
श्री सुखदेव वक्ता जी गहलोत डीसा
श्री दरगाजी अमराजी सोलंकी डीसा
श्री भरतकुमार परखाजी सोलंकी डीसा
श्री जगदीश कुमार रमाजी सोलंकी डीसा
श्री किशोर कुमा सांखला डीसा
श्री बाबुलाल गीगाजी टाक डीसा
श्री देवचन्द रगाजी कच्छवाह डीसा
श्री सतीश कुमार लक्ष्मीचन्द सांखला डीसा
श्री गणपतलाल नारायण सोलंकी डीसा
श्री रमेशकुमार भूराजी परमार डीसा
श्री वीराजी चेलाजी कच्छवाह डीसा
श्री सोमाजी रूपाजी कच्छवाह डीसा
श्री शंकरलाल नारायणजी सोलंकी डीसा
श्री फुलाजी परखाजी सोलंकी डीसा
श्री अशोक कुमार पुनमाजी सुंदेशा डीसा
श्री देवाराम पुत्र श्री मांगीलाल परिहार सोढ़ो की ढाणी
श्री सम्पतसिंह पुत्र श्री बींजारामजी गहलोत जोधपुर
श्री भगवानराम पुत्र श्री अचलुराम गहलोत जोधपुर
श्री जितेन्द्र पुत्र श्री प्रेमसिंह कच्छवाह जोधपुर
श्री सीताराम सैनी पुत्र श्री सुरजमल सैनी सरदारशहर
श्री जीवनसिंह पुत्र श्री शिवराज सोलंकी जोधपुर
श्री घेवरजी पुत्र श्री भोमजी सर्वोदय सोसायटी जोधपुर
श्री जयनारायण गहलोत चौपासनी चारणान मथानियां
श्री अशोक कुमार पुत्र श्री लक्ष्मीनारायण सोलंकी गेंवा जोधपुर
श्री रामेश्वरलाल (सुशील कुमार) गहलोत जोधपुर
श्री मोहनलाल परिहार पुत्र श्री पुरखाराम परिहार चौखा
श्री प्रेमकिशन पुत्र श्री भंवरलाल सोलंकी चौखा
श्री मोहनलाल परिहार पुत्र श्री पुरखाराम परिहार चौखा
श्री हरीसिंह पुत्र श्री चुन्नीलाल गहलोत, जैसलमेर
श्री विजय परमार, तुषार मोटर्स एण्ड कम्पनी भीनमाल
श्री भंवरलाल पुत्र श्री किस्तुर सोलंकी भीनमाल
श्री शिवलाल परमार, भगवती खाद बीज भण्डार भीनमाल
श्री ओमप्रकाश परिहार राजस्थान फार्मेसिया जोधपुर
श्री प्रेमप्रकाश सैनी, मिलन रेस्टोरेंट सीकर
श्री लक्ष्मीकांत पुत्र श्री रामलाल भाटी सोजतरोड़
श्री राम अकेला पुत्र श्री गोकुलराम सैनी, पीपाड़ शहर
श्री नरेश देवड़ा देवड़ा मोटर्स जोधपुर
श्री प्रेमसिंह सांखला सांखला सिमेंट जोधपुर
श्री संपतसिंह पुत्र स्व. श्री बींजाराम गहलोत जोधपुर
श्री कस्तुरराम पुत्र श्री हिमाजी सोलंकी भीनमाल
श्री सांवरराम परमार भीनमाल
श्री भारताराम परमार भीनमाल
श्री भंवरलाल पुत्र श्री किस्तुर सोलंकी भीनमाल
श्री विजय पुत्र श्री गुमानराम परमार भीनमाल
श्री डी.डी.भाटी पुत्र श्री भंवरलाल भाटी जोधपुर
श्री ब्रजमोहन पुत्र स्व. श्री रामस्वरूप परिहार जोधपुर
श्री प्रेमसिंह पुत्र श्री किशोरलाल परिहार सूरसागर जोधपुर
श्री जयसिंह पुत्र श्री ओमदत गहलोत सूरसागर जोधपुर
श्री मनोहरलाल पुत्र श्री मदनलाल गहलोत जोधपुर
श्री समुन्द्रसिंह पुत्र श्री नारायणसिंह परिहार जोधपुर
श्री हिम्मतसिंह पुत्र श्री हरीसिंह गहलोत जोधपुर
श्री हनुमानसिंह पुत्र श्री बालूराम सैनी आदमपुरा
श्री अशोक सांखला पीपाड़
श्री अशोक पुत्र श्री सोहन सांखला जोधपुर
श्री नटवरलाल माली जैसलमेर
श्री दिलीप तंवर जोधपुर
श्री महेन्द्रसिंह पंवार जोधपुर
श्री संपतसिंह गहलोत जोधपुर
श्री जगदीश सोलंकी जोधपुर
श्री मुकेश सोलंकी जोधपुर
श्री श्यामलाल गहलोत जोधपुर
श्री अमित पंवार जोधपुर
श्री राकेश कुमार सांखला जोधपुर
श्री रविन्द्र गहलोत जोधपुर
श्री रणजीतसिंह भाटी जोधपुर
श्री तुलसीराम कच्छवाहा जोधपुर
सैनी उच्च माध्यमिक विद्यालय भोपालगढ़
माली श्री मोहनलाल परमार बालोतरा
श्री अरविन्द सोलंकी जोधपुर
श्री सुनिल गहलोत जोधपुर
श्री कुंदनकुमार पंवार जोधपुर
श्री मनीष गहलोत जोधपुर
श्री योगेश भाटी अजमेर
श्री रामनिवास कच्छवाहा बिलाड़ा
श्री प्रकाशचन्द सांखला ब्यावर
श्री झुमरलाल गहलोत जोधपुर
श्री गुमानसिंह गहलोत जोधपुर
श्री अशोक सोलंकी जोधपुर
श्री महावीरसिंह भाटी जोधपुर
श्री जयप्रकाश कच्छवाहा जोधपुर
श्री अशोक टाक जोधपुर
श्री नरेन्द्रसिंह गहलोत जोधपुर
श्री मदनलाल गहलोत सालावास जोधपुर
श्री नारायणसिंह कुशवाहा मध्यप्रदेश

# माली सैनी संदेश

## ही क्यों ?

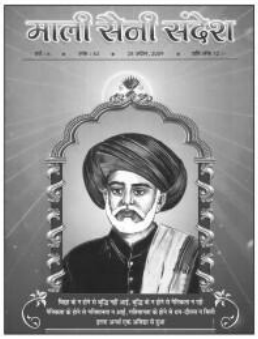


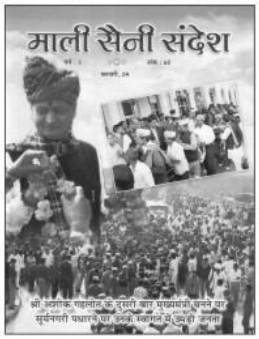


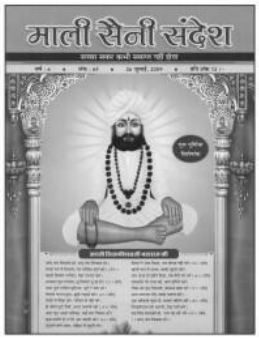

**क्योंकि**

हमारे पास है सैकड़ों एन. आर. आई. सहित पांच हजार पाठकों का विशाल संसार

**क्योंकि**

हम बताते है सच्चाई तथा सामाजिक गतिविधियों की संपूर्ण जानकारी जो कि समाज में हो रही है।

## हमें विज्ञापन दीजिये

क्योंकि
हमारी क्रियेटिव टीम के साथ यह सजाती है आपके ब्रांड को पूरे देश ही नहीं विदेश में भी।

**RATES**

Advertisements

COLOR (Full Page)

| | |
|---|---|
| Back Cover | 6,000/- |
| Inside Cover | 4,000/- |
| Color Page | 2,500/- |

BLACK

| | |
|---|---|
| Full Page | 2,500/- |
| Half Page | 1,500/- |
| Quarter Page | 1,000/- |

write us : P. O. Box 09, Jodhpur
Cell : 94144 75464, 92140 75464

log on : www.malisainisandesh.com
e-mail : malisainisandesh@gmail.com
e-mail : editor@malisaini.org

**क्योंकि सच्चा सफर कभी समाप्त नहीं होता . . .**

कार्यालय : 3, जवरी भवन, भैरूबाग मंदिर के सामने, महावीर काम्पलेक्स के पीछे, सरदारपुरा, जोधपुर

# भारतीय शिक्षण संस्थान के सम्मान समारोह की झलकियां

समारोह का शुभारंभ करते पूर्व मंत्री श्री राजेन्द्र गहलोत एवं संस्थान पदाधिकारी

दानदाता का सम्मान करते श्री सत्यनारायण सिंह, श्री राजेन्द्र गहलोत एवं श्री माधोसिह कच्छवाहा

समारोह में उपस्थित समाजबंधु एवं दानदाता

निर्माणधीन बालिका छात्रावास सावित्री बाई फूले भवन का वर्तमान स्वरूप

# बैगलोर में आयोजित कृष्णजन्माष्टमी महोत्सव

Postal Regd. No. Jodhpur/221/2009-2011

NO. RAJHIN12897/20/1/2004-TC

# तीन रंग हैं हमारी पहचान
# स्वतंत्रता है हमारा स्वाभिमान

"प्रदेशवासियों को
स्वतन्त्रता दिवस की शुभकामनायें"

– अशोक गहलोत
मुख्यमंत्री

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक एवं सम्पादक मनीष गहलोत के लिए मुद्रक
मोहम्मद मुस्लिम द्वारा हिन्दुस्तान प्रिण्टिंग हाउस इन साईड ईदगाह कम्पाउण्ड
जालोरी गेट, जोधपुर से मुद्रित एवं माली सैनी संदेश कार्यालय,
31, गणपति मार्केट नई सड़क, जोधपुर से प्रकाशित।

फोन : 09414475464 ई-मेल : malisainisandesh@gmail.com

पत्र व्यवहार के लिए पता
P.O. Box No. 09, JODHPUR



log on : www.malisainisandesh.com; www.malisaini.org